हरिभूमि
रायपुर भूमि

ट्रेनों में मेला, कंफर्म के साथ अब वेटिंग यात्री भी कर रहे यात्रा

बहन का स्नेह ही ऐसा है...मुसीबत में भी सफर, गमछे और चादर का झूला बनाकर लटक कर गए भाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रक्षाबंधन पर्व के मौके पर रायपुर से जाने वाली सभी ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। रविवार को रवाना हुईं ज्यादातर ट्रेनों में वेटिंग 100 से अधिक रही। अधिक वेटिंग वाली ट्रेनों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग दोपहर में ही रेलवे को बंद करनी पड़ी। ट्रेन के सभी कोच में मेले जैसी भीड़ नजर आई। ट्रेनों में ⏭शेष पेज 13 पर

दरवाजे पर लटकते किया सफर

रविवार को दोपहर से रात तक रायपुर स्टेशन खचाखच भरा रहा। ट्रेन के रुकते ही वहां अफरातफरी के हालात थे। यात्री सीट तक पहुंचने के लिए जंग लड़ते नजर आए। आमतौर में एक ट्रेन में लगभग 1700 यात्री सफर करते हैं। एक कोच में 72 सीटें होती हैं। वर्तमान में एक ट्रेन ⏭शेष पेज 13 पर

स्लीपर और एसी कोच में रही ठसाठस भीड़

रायपुर से दिल्ली रोजाना 2 हजार से अधिक लोग ट्रेन में सफर करते हैं। दिन में 5 ट्रेनें होने के बावजूद ट्रेनों में वेटिंग सूची 100 के पार ही होती है। रविवार को छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के स्लीपर, जनरल और एसी कोच में भी ठसाठस भीड़ रही। कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को ⏭शेष पेज 13

एक सीट पर आठ यात्री

दिल्ली जाने वाली प्रमुख ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों का दबाव समता एक्सप्रेस के जनरल कोच पर रहा। कोच में यात्रियों की भीड़ इतनी हो चुकी थी कि एक सीट पर आठ यात्रियों को बैठकर सफर करना पड़ा। आमतौर पर लंबी सीट में 4 यात्री बैठते हैं। यात्रियों की भीड़ होने से ट्रेन से नीचे उतरने वाले यात्रियों को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। कई यात्रियों ने वेटिंग और भीड़ देखकर ट्रेन ही बदल दी। ट्रेन के जनरल कोच में पैर रखने की जगह नहीं थी, ऐसे में परिवार के साथ सफर करना यात्रियों को अनुचित लगा।

खबर संक्षेप

सेंट्रल जीएसटी अधीक्षक सम्मानित

रायपुर। पोस्टल कॉलोनी स्थित सेंट्रल जीएसटी कार्यालय में सेंट्रल जीएसटी के अधीक्षक एम. राजीव को उनके बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेंट्रल जीएसटी के आयुक्त मोहम्मद आबू सामा ने ध्वजारोहण करने के बाद एम. राजीव को समर्पित और सराहनीय सेवा के प्रतिपादन और जीएसटी प्रशासन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

चार को मिला गुड सेमेटेरियंस अवार्ड

रायपुर। सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने आगे आने वाले लोगों को प्रेरित करने पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में घायलों की किसी भी तरह के मदद करने वाले लोगों को प्रेरित करने पुलिस उन्हें नेक इंसान (गुड सेमेटेरियंस) अवार्ड से सम्मानित करने का कार्य कर रही है। पिछले महीने सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले चार लोगों को गुड सेमेटेरियंस अवार्ड देकर सम्मानित किया गया है।

वैभव शूटिंग स्पर्धा के लिए चयनित

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा एवं 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में रायपुर के रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर जीवी मावलंकर प्रतियोगिता के लिए

क्वालीफाई कर लिया है। वर्तमान में रक्षित निरीक्षक रायपुर नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शामिल होने गोवा भी जा रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर एसएसपी संतोष सिंह ने बधाई दी है।

कई सरकारी स्कूलों में शिक्षक ही बने हैवान, कई सस्पेंड, पर हालात नहीं सुधरे

कैसे पढ़ेगी बेटी? प्रैक्टिकल में अच्छे अंक का प्रलोभन, साथ घूमने का दबाव, कक्षा में कमेंट्स

मायाराम सुरजन विद्यालय का शिक्षक छात्रा को अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में हुआ गिरफ्तार

केस 1

चौबे कॉलोनी स्थित मायाराम सुरजन स्कूल में एक शिक्षक को छात्रा को अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता हायरसेकंडरी की छात्रा है। बीते कई दिनों से गुमसुम रहने के बाद जब पालकों ने वजह जाननी चाही तब बालिका ने अपने साथ हुए हादसे के बारे में बताया।

केस 2

पूर्व माध्यमिक शाला लमेर में पदस्थ प्रधान पाठक जय सिंह और शिक्षक रामनारायण दुबे को छात्राओं के साथ अश्लील हरकत के मामले में सस्पेंड कर दिया गया है। यहां छात्राओं ने दो महीने पहले ही प्रधानपाठक से शिकायत की थी, लेकिन प्रधानपाठक ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

केस 3

मस्तूरी के अकोला प्राथमिक स्कूल में प्रधान पाठक अखिलेश चंदेल को सस्पेंड कर दिया गया है। यह शिक्षक गैंगरेप के आरोप में गिरफ्तार होकर जेल में बंद है।

केस 4

बिलासपुर में रेलवे स्कूल के एक शिक्षक को छात्र से मारपीट के मामले में सस्पेंड किया गया। शिक्षक पर छात्र को बेरहमी से मारने के आरोप लगे हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिन शिक्षकों पर समाज को सुधारने और एक आदर्श नागरिक तैयार करने का जिम्मा होता है, उनके पास ही पालक अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए भेजने में डरने लगे हैं। राज्य के कई स्कूलों में ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिन्होंने पैरेंट्स को चिंता में डाल रखा है। बिलासपुर इलाके के बाद राजधानी ⏭शेष पेज 13 पर

- शिकायत कैसे करें बच्चियां, स्कूलों की शिकायत पेटियां भी गायब या ताला बंद

सौंपी है रिपोर्ट

जिला शिक्षा कार्यालय को रिपोर्ट सौंप दी है। हमने जून माह में शाला प्रारंभ होने के पूर्व ही प्राचार्यों की बैठक लेकर उन्हें छात्रों की सुरक्षा को लेकर निर्देश दिए थे।
- प्रदीप शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी

आउटर छोड़िए, मुख्य स्कूलों में ही कंप्लेन बॉक्स नहीं

शहर के आउटर स्थित विद्यालय में इस तरह की व्यवस्था पूर्णतः नदारत दिखी। मठपुरैना स्थिति शासकीय विद्यालय में भी शिकायत पेटी प्राचार्य कक्ष के समक्ष नजर नहीं आई। लालपुर स्थित शासकीय विद्यालय में चमचमाती हुई पेटी मिली। इसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे इसे कुछ दिनों पूर्व ही यहां स्थापित किया गया हो। माठागांव के विद्यालयों में भी पेटी गायब मिली। मामले के सामने आने के बाद भी अब तक जिला शिक्षा कार्यालय अथवा संबंधित विद्यालय की प्राचार्य द्वारा किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अपनी रक्षा आप ही करें

इस मामले के सामने आने के बाद हरिभूमि की टीम ने शहर के स्कूलों का जायजा लिया। स्कूलों में एक शिकायत पेटी होना और उसका नियमित रूप से खोला जाना अनिवार्य है ताकि किसी तरह की दिक्कत होने पर छात्रा इसमें अपनी शिकायत लिखित में डाल सके। शहर के अधिकतर स्कूलों में ये शिकायत पेटियां गायब मिलीं। जहां है, वहां इतनी खराब हालत में है कि इन्हें देखकर अंदाजा हो जाता है कि कई सालों से इन्हें खोला ही नहीं गया है। जंग खाती पेटियों और ताले को केवल औपचारिकता पूर्ण करने के लिए ही रखा गया है।

बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने साइकिल रोककर किया हमला

बच्चे के चेहरे पर नशेड़ी बदमाशों ने फेंका केमिकल पाउडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र स्थित सत्यम विहार कॉलोनी में रहने वाले एक 12 साल के नाबालिग बच्चे पर अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने ज्वलनशील पावडर से चेहरे पर अटैक कर दिया। बच्चे का चेहरा बुरी तरह से जल गया है। उसका उपचार एम्स में चल रहा है। पावडर अटैक से घायल बच्चा अपने छोटे भाई के साथ खेलने जा रहा था, तभी बदमाशों ने बच्चे पर पाउडर फेंका। घटना शनिवार दोपहर की बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। बदमाशों की पतासाजी की जा रही है।

- नशे के आदी बदमाशों को पैसे देने से इनकार किया तो फेंका पावडर

पुलिस के मुताबिक, कल्प देवांगन के चेहरे पर बदमाशों ने पावडर अटैक किया है। बच्चे के पिता टीकमलाल देवांगन मौदहापारा में डीजल मैकेनिक का काम करते हैं। कल्प सत्यम विहार स्थित शिवम एजुकेशनल में आठवीं का छात्र है। उसने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक को ⏭शेष पेज 13 पर

दहशत में मां को नहीं दी जानकारी

घटना के बाद कल्प अपने छोटे भाई के साथ जैसे-तैसे घर पहुंचा। घर पहुंचने के बाद कल्प ने अपना चेहरा पानी से धोया, तब उसके चेहरे की चमड़ी निकलने लगी। इसके बाद वह दर्द से कराहते हुए चादर ओढ़कर अपने कमरे में सो गया। बच्चे जब घर पहुंचे, उस समय उनकी मां अपने भाइयों के लिए मिठाई तथा राखी खरीदने बाजार गई थी।

स्कूल आते-जाते बदमाश मांगते थे पैसे

कल्प ने अपने पिता को बताया कि जब वे पढ़ने के लिए स्कूल जाते हैं, उस दौरान बाहरी दो-तीन लड़के स्कूल में पढ़ने जाने वाले बच्चों को डरा-धमकाकर पैसों की मांग करते हैं। कल्प के पिता के अनुसार, घर से स्कूल नजदीक होने की वजह से वह अपने बच्चों को पैसे नहीं देते, इस कारण कल्प बदमाशों को पैसे नहीं देता था। कल्प के पिता ने आशंका जताई है कि पैसे नहीं देने की वजह से बदमाशों ने उसके बेटे के चेहरे पर ज्वलनशील पावडर से अटैक किया होगा।

एक नहीं, दो बार पावडर फेंका

कल्प ने अपने पिता को बताया कि चेहरे पर पावडर पड़ने पर वह हड़बड़ा गया और उसके चेहरे पर जलन होने लगी। इसी दौरान हाथ में पावडर पकड़े बदमाश ने कल्प के चेहरे पर दोबारा पावडर फेंका। जलन होने पर कल्प ने अपने चेहरे को कपड़े से साफ किया तो जलन और बढ़ गई। घटना के बाद दोनों भाई साइकिल से वापस घर लौट आए।

रायपुर सेंट्रल जेल में अब तक 297 बहनों ने पंजीयन कराया

तीन साल बाद जेल में बंद भाइयों की सूनी कलाइयां सजाएंगी बहनें

रक्षाबंधन के दिन भी पंजीयन कराने के बाद राखी बांध सकेंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के अलग जेलों में बंद बंदियों की सूनी कलाई पर तीन साल बाद उनकी बहनें राखी बांध सकेंगी। इसके पूर्व वर्ष 2021 से 2023 के बीच कोरोना संक्रमण के चलते जेल में बंदियों को राखी बांधने पर रोक लगा दी गई थी। स्थिति सामान्य होने के बाद जेल में बंद बंदियों को उनकी बहनों को राखी बांधने की अनुमति जेल प्रशासन ने दी है। रायपुर सेंट्रल जेल में अब तक 297 बंदियों की बहनों ने राखी बांधने पंजीयन कराया है। ⏭शेष पेज 13 पर

राखी बांधने आज भी पंजीयन

जेल प्रशासन द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, जो महिलाएं जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने पंजीयन नहीं करा पाई हैं, वे रक्षाबंधन के दिन भी पंजीयन करा सकती हैं। इसके बाद जेल में बंद बंदी की बहनें राखी बांधने अंदर जा सकती हैं। गौरतलब है कि रायपुर सेंट्रल जेल में बंद दूरदराज के ⏭शेष पेज 13 पर

पांच लेयर में रहेगी सुरक्षा

जेल प्रशासन के मुताबिक, जेल में बंदियों को राखी बांधने आने वाली बहनों के लिए पांच लेयर में सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इनमें महिला के साथ पुरुष सुरक्षाकर्मी सुरक्षा जांच में तैनात रहेंगे। राखी बांधने आने वाली महिलाओं की जेल के गेट के पास पहले जांच की जाएगी। इसके बाद महिलाएं कतार में लगकर जेल के अंदर दाखिल होने अपनी बारी का इंतजार करेंगी। अंदर दाखिल होने के पहले जेल के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच की जाएगी। अंदर दाखिल होने के बाद पुनः सुरक्षा जांच की जाएगी। इसके बाद बहनें जेल में बंद अपने बंदी भाइयों की कलाई में राखी बांधकर मुंह मीठा करा सकती हैं।

चकल्लस

अब दिल्ली दौड़ ...

लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने कई प्रदेशों में अपने कप्तान बदलने शुरू कर दिए हैं। बदलाव के दौर को देखते हुए प्रदेश के नेता दिल्ली दौड़ लगा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में बड़े नेताओं की दिल्ली दौड़ को लेकर यह कहा जाने लगा है कि यहां के लोगों को कैसे यहां से दूर किया जाए, इसका फार्मूला तैयार हो रहा है। ऐसा इसलिए कि भीतरघात को हार का प्रमुख कारण माना गया। जो नेता यहां शीर्ष पदों पर रहे चुके हैं, कई लोगों से उनकी मर्जी पूछी गई। उन्होंने वहां पर मना कर दिया, लेकिन अपने राज्य में रहकर सेवा करने की बात कहकर बचने के प्रयास में हैं। वैसे यहां पर युवा को कमान सौंपने के बाद बड़े नेता अपने जुगाड़ को ठीक करने दिल्ली दौड़ लगा रहे हैं।

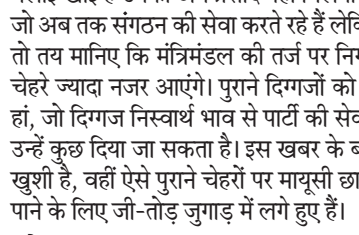

एक बार बता देते ...

जब नितिश कुमार ने लालू यादव की पार्टी का साथ छोड़ा तो तेजस्वी यादव का भावुक भाषण वायरल हुआ था। वे नितिश कुमार से कहते हैं, एक बार बता दिए होते, इतना बढ़िया चल रहा था। हम कुछ कहे थे आपको। नहीं ना...। फिर काहे छोड़ दिए। ऐसा ही कुछ विपक्ष दल के नेताजी का हाल है। रोज बदले जाने की खबरें फैल रही हैं। खुद बड़े नेता बयान दे देकर पका दिए हैं। ऐसा माहौल बना दिया है कि अब गए कि कब गए। अब नेताजी खुद कह रहे हैं, एक बार बता देते, रहना है कि जाना है। काम तो ठीक ही कर रहे हैं। क्या होगा, उस हिसाब से प्लानिंग करें। आगे क्या करना है।

चेहरा देख मिलेगा प्रसाद ...

निगम मंडल में नियुक्तियों को लेकर एक फार्मूला तय किया गया है। फार्मूला यह है कि जिन लोगों ने पंद्रह साल तक भाजपा सरकार में मलाई खाई है उनको अब प्रसाद नहीं मिलेगा। प्रसाद उनको मिलेगा जो अब तक संगठन की सेवा करते रहे हैं लेकिन मिला कुछ नहीं हैं। तो तय मानिए कि मंत्रिमंडल की तर्ज पर निगम और मंडलों में नए चेहरे ज्यादा नजर आएंगे। पुराने दिग्गजों को किनारे किया जाएगा। हां, जो दिग्गज निस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा करने में जुटे रहते हैं उन्हें कुछ दिया जा सकता है। इस खबर के बाद नए चेहरों पर जहां खुशी है, वहीं ऐसे पुराने चेहरों पर मायूसी छाई है, जो फिर से कुर्सी पाने के लिए जी-तोड़ जुगाड़ में लगे हुए हैं।

नौकरों का मालिक...

रविवि में इन दिनों एक गार्ड की हुकूमत चल रही है। महाशय इन दिनों नौकरों के मालिक बने हुए हैं। क्या है कि रविवि के नए मुखिया और वे एक ही प्रदेश से आते हैं। तो बड़े वाले भाईसाहब अपना भाईचारा निभा रहे हैं। गार्ड ने बीते माह के एक छात्र को थप्पड़ मार दिया और उनका तबादला साहब के बंगले पर कर दिया गया। अब वहां भी उन्होंने नया कांड कर दिया। यहां एक आरक्षक से मारपीट कर डाली। मामला साहब तक पहुंचा तो वो गार्ड की ही वकालत करने लगे। नाराज आरक्षक ने भी विश्वविद्यालय छोड़ दिया। मामला थाने तक जा पहुंचा, लेकिन यहां भी साहब ने भाईचारा निभाया। ठीक भी है, पंच परमेश्वर की कहानी तो अब बीते दिनों की बात हो गई है।

कौन, किसके साइड है भाई ...

आंबेडकर अस्पताल में कौन, किसके तरफ है, कुछ समझ में नहीं आता है। हाल ही के दिनों में आंबेडकर अस्पताल के दो बड़े चिकित्सकों पर कार्रवाई हुई। दोनों ने ही एक-दूसरे को फंसाया। जिस मामले में फंसाया था, उसके अलावा अन्य मामले में डॉक्टर फंसे तो हड़ताल को समर्थन देने आ गए। प्रबंधन को ये ही समझ नहीं आया कि आखिर कौन, किसके साइड है? खैर जो भी है, दोनों की आपसी लड़ाई में कई कारनामों की पोल खुल गई। आधे चिकित्सक इन दो गुट में बंट गए हैं, तो आधे दूर से ही मजे ले रहे हैं।

अहाते कर रहे आहत...

सरकार ने आबकारी से मोटा राजस्व हासिल बनाने की रणनीति बनाई और उसे पाने के लिए तौर-तरीके निकालने लगे। इसी बीच डेढ़ सौ करोड़ के आसपास राशि जुटाने के इरादों से चखना सेंटरों को एसी अहाता बनाकर लाखों रुपयों में नीलाम भी कर दिया गया, लेकिन ये अहाते पीने और पिलाने वालों को आहत कर रहे हैं। खबरी को पता लगा है कि जो अहाते चल रहे हैं, वहां बिकने वाले सामान की अधिक कीमत के चलते पीने वाले आहत हैं। दर्जनों अहातों में पीने वाले नहीं आ रहे हैं तो पिलाने वाले आहत हैं। आबकारी विभाग के बड़े अफसर, जिन पर राजस्व लक्ष्य जुटाने का जिम्मा है, वे अभी आहत इसलिए हो रहे हैं कि ऐसे में लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

घोटाले कम न होंगे...

पिछली कांग्रेस सरकार के खिलाफ घपले-घोटाले के सैकड़ों आरोपों से पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता और समर्पित मतदाता अब तक शर्मसार हो रहे हैं। सरकार बदलने के बाद पुराने घोटालों की बातें बंद होने की कोई गुंजाइश नजर नहीं आ रही है। कई सरकारी एजेंसियां रोज कुछ न कुछ खोदकर सामने ले आती हैं, लेकिन ये कहानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अभी-अभी की एक खबर है कि एक कांग्रेसी पर 30 लाख की अवैध वसूली के जुर्म में पुलिस केस बना है। मामला ये है कि कांग्रेसी की एक महिला नेत्री का कहना है कि विधानसभा का टिकट दिलाने का सौदा दो करोड़ रुपए में कर 30 लाख एडवांस लिए थे। टिकट-विकट का क्या हुआ, ये बातें गौण हो गई हैं।

सलाहकार कौन है भाई ...

विधायक देवेंद्र यादव को जिस तरह गिरफ्तार किया गया, उससे किसको फायदा हुआ? ठीक है कहने के लिए कानून अपना काम कर रहा है, बाकी सब जानते हैं कि कानून कई बार कैसे काम करता है। खैर...देवेंद्र रायपुर से दिल्ली तक प्रचार मिल गया। कांग्रेस के दिग्गज नेता एक मंच पर आ गए और सरकार के खिलाफ मुखर हैं। इतना ही नहीं, प्रदेशभर में विरोध और प्रदर्शन की तैयारी भी है। खुद भाजपाई दबी जुबान से कह रहे हैं कि एक विधायक को बड़ा नेता बना दिया गया है। पता नहीं ऐसी सलाह कौन देता है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, रुचि वर्मा।

सदस्यता अभियान पर कल भाजपा की बड़ी बैठक, अरुण सिंह और नितिन नवीन आएंगे

मुख्यमंत्री के साथ पूरा मंत्रिमंडल, विधायक, सांसद, प्रदेश और जिलों पदाधिकारी भी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन की एक बड़ी बैठक मंगलवार 20 अगस्त को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में होगी। इस बैठक के लिए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल आएंगे। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उनका पूरा मंत्रिमंडल, सभी विधायक, सांसद, संभाग, जिलों के प्रभारी, सहप्रभारी, जिलाध्यक्ष, महामंत्री, सदस्यता समिति के जिलों के सदस्य, प्रदेश संगठन के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक में सदस्यता अभियान के लिए लक्ष्य तय किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने एक दिन पहले ही दिल्ली में राष्ट्रीय

बैठक कर देशभर में सदस्यता अभियान को लेकर तय किया है कि दस करोड़ नए सदस्य बनाए जाएंगे। हर राज्य को अपने-अपने स्तर पर पिछली बार से ज्यादा सदस्य बनाने के लिए कहा गया है। अब राज्यों के संगठन बैठक कर तय करेंगे कि कहां, कितने सदस्य बनाने हैं।

तय होगा हर जिले का लक्ष्य

बैठक का सबसे अहम मुद्दा होगा नए सदस्यों को लेकर लक्ष्य तय करना। पिछली बार जितने सदस्य बनाए गए थे, उससे ज्यादा का लक्ष्य रखा जाएगा। इससे पहले 2022 में भाजपा का सदस्यता अभियान चला था तो उसमें दस लाख से ज्यादा सदस्य बने थे। इसी के साथ सक्रिय सदस्यों ने पार्टी के फंड के लिए छह करोड़ से ज्यादा दिए थे। बैठक में तय होगा कि किस जिले को कितने सदस्य बनाने हैं। इसी के साथ मंडल स्तर का भी लक्ष्य तय किया जाएगा। यही वजह है कि बैठक में हर जिले के जिलाध्यक्ष और महामंत्रियों को भी बुलाया गया है। राजधानी रायपुर के साथ बड़े जिलों बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, रायगढ़, कोरबा का लक्ष्य ज्यादा बड़ा होगा। इसी के साथ संभावना है कि मंत्रियों के जिलों को भी ज्यादा लक्ष्य दिया जाएगा।

पहले बनाएंगे सामान्य सदस्य

सदस्यता अभियान के लिए तीन चरण तय किए गए हैं। इसमें पहला चरण 1 से 25 सितंबर तक होगा। इसके बाद दूसरा चरण 1 से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 16 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा। तीनों चरणों के बाद अंत में 1 से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्टर तैयार किया जाएगा।

इस बार ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य

मंगलवार को होने वाली बैठक में सदस्यता अभियान को लेकर लक्ष्य तय किया जाएगा। पिछली बार से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखेंगे। अभी प्रदेश में 37 लाख सदस्य हैं।

- अनुराग सिंहदेव, संयोजक, सदस्यता अभियान समिति

रीयल एस्टेट में नई योजनाएं अब कम आ रहीं, मकान भी हुए महंगे

30 फीसदी की छूट समाप्त होने के बाद जमीन का कारोबार 25 फीसदी गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बाजार में उतार चढ़ाव और प्रदेशभर में जमीन की कीमत में 30 फीसदी की छूट अप्रैल से समाप्त होने के कारण अब जमीन का कारोबार भी मंद पड़ गया है। रीयल एस्टेट का काराबोर करने वाले बिल्डरों की मानें तो 25 फीसदी तक जमीनों की बिक्री कम हो गई है। एक तो जमीन की कीमत 30 फीसदी ज्यादा हो गई है, साथ ही रजिस्ट्री में भी अब पहले से ज्यादा खर्चा लग रहा है। पंजीयन शुल्क को कम करने की मांग बिल्डर लगातार कर रहे हैं। ऐसा होने से जमीनों की बिक्री में फिर से बूम आने की बात की जा रही है।

बिल्डिंग मटेरियल महंगे होने के कारण भी मकानों की कीमत वैसे ही 15 फीसदी तक बढ़ी है। अब नई योजनाओं में जो मकान बनेंगे, वो करीब 25 फीसदी तक महंगे होंगे, क्योंकि इनके लिए जमीन भी नई कीमत पर ली जा रही है। आज कोई 20 लाख

हरिभूमि सरोकार

का मकान खरीदना चाहेगा तो उसको अब चार लाख का ज्यादा फटका लग रहा है। ऐसे में रीयल एस्टेट के कारोबार की रफ्तार भी अब धीमी हो गई है। रीयल एस्टेट में लगातार नई योजनाएं आने के कारण बूम रहा है, लेकिन अब इस बूम पर बड़ी मार पड़ी है।

अप्रैल से छूट समाप्त

प्रदेश में सरकार बदलने के बाद अब तक कांग्रेस सरकार में जमीनों की कीमत पर जो 30 फीसदी की छूट थी, उसे 1 अप्रैल से समाप्त कर दिया गया है। इस छूट के समाप्त होने का बड़ा नुकसान मकान खरीदने वालों को पड़ रहा है। जमीन की कीमत ज्यादा होने से अब रजिस्ट्री में भी ज्यादा पैसे लग रहे हैं। रीयल एस्टेट का काम करने वाले बिल्डरों के मुताबिक, पहले जो रजिस्ट्री 75 हजार में हो जाती थी, उसके लिए करीब एक लाख लग रहे। ऐसे में 25 हजार रुपए ज्यादा लगने के कारण मकान की कीमत पर इसका असर पड़ रहा है। बिल्डरों के मुताबिक, पहले पंजीयन शुल्क के लिए 0.8 प्रतिशत लगता था, लेकिन अब यह 4 प्रतिशत लग रहा है। ऐसे में पहले रजिस्ट्री में ओवरआल 7.3 प्रतिशत का शुल्क लगता था, लेकिन अब 10 फीसदी से ज्यादा शुल्क लग जाता है।

नई योजनाओं पर पड़ेगा बड़ा असर

रीयल एस्टेट की नई योजनाओं पर अब जमीन की कीमत का बड़ा असर पड़ रहा है। पहले अगर किसी क्षेत्र में जमीन की कीमत हजार रुपए वर्गफीट थी तो वह 700 रुपए हो गई थी, लेकिन अब वापस इसकी कीमत हजार रुपए हो गई है। ऐसे में हजार वर्गफीट में बनने वाले मकान की जमीन की कीमत ही तीन लाख बढ़ गई है। अगर जमीन की कीमत किसी क्षेत्र में तीन हजार रुपए वर्गफीट हो गई है तो वहां पर जमीन की कीमत में ही 9 लाख का फर्क आ गया है। इसी के साथ अब रजिस्ट्री का शुल्क भी सात लाख के स्थान पर 10 लाख और 21 लाख के स्थान पर 30 लाख पर लग रहा, यानी रजिस्ट्री में भी बड़ा फटका लग रहा। ऐसे में नई योजनाओं के मकान पांच से छह फीसदी इसके कारण भी महंगे होंगे।

पंजीयन शुल्क ही कम कर दें

जमीनों की खरीदी करीब 25 फीसदी कम के कारण राज्य सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। कम से कम पंजीयन शुल्क को पहले की तरह ही 0.8 प्रतिशत कर दिया जाए तो इससे खरीदी ज्यादा होने लगेगी।

- विजय नत्थानी
बिल्डर

भाजपा महिला मोर्चा ने सरहद पर तैनात सैनिकों के लिए भेजीं दो लाख राखियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत माना मंडल में स्थित चौथी बटालियन माना कैंप में रक्षाबंधन का कार्यक्रम रखा गया। यहां 100 से अधिक फौजी भाइयों को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा गया। इसके पूर्व महिला मोर्चा द्वारा 2 लाख राखियां सरहद पर तैनात सैनिकों के लिए भेजी गई हैं।

■ माना में चौथी बटालियन के जवानों को बांधी राखी

महिला मोर्चा सदैव यही कामना करती है कि हमारे फौजी भाई सुरक्षित रहें और भोलेनाथ की कृपा उन पर सदैव बनी रहे। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष ममता साहू, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष संध्या तिवारी, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री मिनी पांडे, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी आयुषी पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रीति परघनिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशा दुबे, भाजपा मंडल अध्यक्ष रविंद्र सिंह ठाकुर, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष गायत्री नौरंग, माना कैंप पार्षद उमा सिंह के साथ वहां के महिला मंडल और पुलिस परिवार के सदस्य काफी संख्या में उपस्थित थे।

इंडोर स्टेडियम में आज मचेगी राष्ट्रीय भोजली महोत्सव की धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में 19 अगस्त को राष्ट्रीय भोजली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, असम, झारखंड, ओडिशा से आदिवासी गोंड समाज के मुखिया, जनप्रतिनिधि और समाजजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। प्रातः 7 बजे से देर शाम चलने वाले इस कार्यक्रम में गोंडी धर्म, संस्कृति और तीज-त्योहार की रीति-नीति, परंपरा प्रदर्शित करने पारंपरिक वाद्यों के साथ विभिन्न राज्यों से आए लोकनर्तक दल रंगारंग लोकनृत्य व गीतों की सुंदर प्रस्तुति देंगे। गोंडी धर्म संरक्षण समिति और छत्तीसगढ़ गोंडवाना समाज के आव्हान पर देश के 8 राज्यों से आदिवासी गोंड समाज के समाज प्रमुख और समाजजन 19 अगस्त को राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में शामिल होने राजधानी आएंगे। इस मौके पर बूढ़ादेव की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल होंगे तथा अध्यक्षता गोंडवाना गुरुमाता दुर्गे दुलेश्वरी सिदार करेंगी। दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक सरोवर स्नान का कार्यक्रम होगा, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से आमंत्रित समाज के मुखिया वहां के लोकनर्तक दल की पारंपरिक पोशाकों में बाजे-गाजे के साथ इंडोर स्टेडियम से रैली के रूप में बूढ़ातालाब सरोवर के लिए निकलेंगे।

कार्यक्रम में ये होंगे शामिल

राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में महापौर एजाज ढेबर, एमआईसी सदस्य सतनाम पनाग, गोंडवाना धर्म संस्कृति संरक्षण समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश संयोजक लच्छन मरकाम, सिया मंडावी, प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभान नेताम, प्रदेश महासचिव प्रीतम छेदइया, प्रदेश सहसचिव गजानंद नुरूटी सहित छत्तीसगढ़ गोंडवाना संघ के प्रदेश संयोजक घनश्याम जगत, प्रदेश अध्यक्ष सोनउ ध्रुवे सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी एवं कर अपवंचन रोकने 'सुगम' से मिलेगी सार्थक मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

वाणिज्यिक कर एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने मोबाइल बेस्ड एप्लीकेशन सुगम का लोकार्पण किया। इस एप्लीकेशन में कोई भी व्यक्ति अपने रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज को संपत्ति स्थल पर जाकर स्थल के तीन साइड से फोटो तथा अक्षांश एवं देशांतर भौगोलिक स्थिति को रजिस्ट्री सॉफ्टवेयर में प्रविष्ट कर सकेगा। इससे संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी एवं कर अपवंचन रोकने में सार्थक मदद मिलेगी।

मंत्री ने पंजीयन विभाग की समीक्षा बैठक ली थी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन विभाग जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ऐसी कार्य संस्कृति बनाएं कि जनता को किसी प्रकार का कोई असुविधा न हो। पंजीयन के इच्छुक पक्षकारों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। पंजीयन विभाग में बिचौलियों के प्रवेश को रोकें तथा जनता बिना बिचौलियों के किसी भी दस्तावेज की रजिस्ट्री करा सके, यह सुनिश्चित करें। समीक्षा के दौरान स्टाम्प प्रकरण तथा पंजीयन में अनावश्यक विलंब के तथ्य प्रकाश में आने पर उन्होंने संबंधित जिला पंजीयक एवं उपपंजीयक को समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

ऑनलाइन डाउनलोड होगी नकल

मंत्री श्री चौधरी ने समीक्षा के दौरान राजस्व प्राप्तियों, दस्तावेजों, आरआरसी और स्टाम्प प्रकरण आदि के तुलनात्मक आंकड़ों की गहन समीक्षा की। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि पुराने दस्तावेजों के स्कैनिंग का कार्य लगभग पूरा हो चुका है तथा कुछ ही दिनों में पंजीयन विभाग के सर्च एवं नकल मॉड्यूल को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया जाएगा। इससे कोई भी व्यक्ति ऑफिस में आए बिना निर्धारित शुल्क ऑनलाइन जमा कर पुराने दस्तावेजों की सर्च कर सकेगा तथा नकल ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेगा।

रजिस्ट्री प्रक्रिया होगी पेपरलेस

अधिकारियों ने समीक्षा के दौरान बताया कि पंजीयन विभाग के कार्यों को कैशलेस, पेपरलेस एवं फेसलेस बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। पंजीयन शुल्क भुगतान के लिए नेट बैंकिंग तथा पीओएस से भुगतान चालू कर दिया गया है। मॉडल डीड जनरेशन का काम सॉफ्टवेयर के माध्यम से तेजी से जारी है। इससे कोई भी व्यक्ति वांछित इनपुट भरकर मॉडल रजिस्ट्री के कागजात स्वतः तैयार कर सकता है, जिससे रजिस्ट्री प्रक्रिया को पेपरलेस किया जा सकेगा। पेनकार्ड का इंटीग्रेशन किया जा चुका है।

फेसलेस पंजीयन की सुविधा जल्द

इसके अगले चरण में आधार के इंटीग्रेशन का कार्य भी जारी है। आधार इंटीग्रेशन होने के बाद गवाहों के रजिस्ट्री ऑफिस में आने की प्रथा समाप्त हो जाएगी एवं छद्म तथा फर्जी व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्री कराने जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। विभाग का लक्ष्य है कि अगले एक महीने में फेसलेस के प्रथम चरण में हाउसिंग बोर्ड, आरडीए तथा कॉलोनाइजर्स को यह सुविधा प्राप्त हो जाए। इसके लिए ट्रायल जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इससे पक्षकारों को रजिस्ट्री ऑफिस में आए बिना रजिस्ट्री कराने की सुविधा प्राप्त होगी।

विभागीय सेटअप रिवाइज्ड होगा

मंत्री श्री चौधरी ने निर्देश दिए कि जनता का कार्य शीघ्रता और परिशुद्धता के साथ संपन्न हो, इसके लिए पंजीयन विभाग के सेटअप को रिवाइज्ड किया जाए। रायपुर, दुर्ग तथा बिलासपुर जिले, जहां राज्य के कुल राजस्व का 60 प्रतिशत हिस्सा आता है, वहां पंजीयन अधिकारियों की संख्या 4 गुना तक बढ़ाई जाए। विभाग में 505 स्वीकृत अधिकारी-कर्मचारियों के पद के विरुद्ध 260 पद रिक्त हैं। उन्होंने रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करने के निर्देश दिए।

बृजमोहन बने संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल को लोकसभा की प्राक्कलन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वर्ष 2024-25 के लिए प्राक्कलन समिति की घोषणा की है। यह संसद के चयनित सदस्यों की एक समिति है, जिसका गठन लोकसभा द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य सरकारी मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की जांच करना है, जो व्यय और धन के उपयोग के संदर्भ में है। यह समिति प्रशासन में दक्षता और अर्थव्यवस्था के लिए वैकल्पिक नीतियों के सुझाव भी देती है।

खबर संक्षेप

आशना के कथक नृत्य ने मचाई धूम

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्कृति विभाग के सहयोग से

हिमसागर फाउंडेशन द्वारा आयोजित तिरंगा तोला नमन कार्यक्रम में आशना दिल्लीवार द्वारा लखनऊ घराना आधारित कथक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम महंत घासीदास संग्रहालय परिसर के मुक्ताकाशी मंच पर किया गया। इस कार्यक्रम में आशना ने द्रुतलय में उठान, शिव वंदना, परन, ठाट, आमद त्रिताल में एवं राधा-कृष्ण की पनघट ठुमरी का शानदार प्रदर्शन किया। वे डॉ. राजश्री नामदेव एवं अंजनी ठाकुर की शिष्या हैं। उल्लेखनीय है कि आशना 6 वर्ष के उम्र ही से कथक की साधना अपने गुरुद्वय के सानिध्य में कर रही हैं।

प्रकृति का अनमोल उपहार है सावन का पावन माह

रायपुर। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा जिला न्यायालय परिसर में विगत दिनों सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला अधिवक्ता और महिला न्यायाधीश शामिल हुईं। इस अवसर पर कई स्पर्धाएं हुईं और गीत-संगीत के साथ ही सावन के झूलों का महिला न्यायाधीश और महिला अधिवक्ताओं ने आनंद लिया। वकालत की व्यस्तता और तनाव भरे जीवन से दूर सुकून के पल बिताए। महिलाएं सावन गीतों पर थिरकती नजर आईं। इस मौके पर जिला अधिवक्ता संघ की महिला उपाध्यक्ष रितु बुंदेला ने कहा कि हम अधिवक्ता कोर्ट और घरेलू कार्य में व्यस्त हो जाते हैं, सहकर्मियों के साथ मिलजुल नहीं पाते, लेकिन सावन का महीना हम सभी के लिए एक अलग ही बहार लेकर आता है। इस दौरान ज्यादातर काले और सफेद लिबास में नजर आने वाली महिला अधिवक्ता, हरे रंग की पोशाक में सजी-धजी रहीं। कार्यक्रम में कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश हेमंत सराफ, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हितेंद्र तिवारी सहित महिला न्यायाधीश वंदना देवांगन, मोहिनी कंवर, विभा पांडेय, छाया सिंह, महिला अधिवक्ता गायत्री साहू, सावित्री नायक आदि उपस्थित रहीं।

निधन

मीना मतलानी

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर निवासी मीना

मतलानी का 17 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 अगस्त को न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे अशोक, लखमीचंद मतलानी की भाभी थीं।

अशोक कुमार मोटवानी

रायपुर। शिवानंद नगर श्रीनगर

निवासी अशोक कुमार मोटवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 अगस्त को देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे नयन और सुमित मोटवानी के पिता थे।

बुलाकी बोयर

रायपुर। पुरानी बस्ती भोईपारा

निवासी बुलाकी बोयर का 18 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 अगस्त को सुबह 10 बजे महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी।

परमिट की बाध्यता नहीं, ई-रिक्शा चालक बेलगाम, ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए शासन स्तर पर ई-व्हीकल पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन ई-व्हीकल को लेकर एक वर्ग ऐसा भी है, जो छूट का नाजायाज फायदा उठा रहा है। इनमें ई-रिक्शा चालकों की मनमानी सामने आ रही है, जो ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर बेतरतीब ढंग से वाहन चला रहे हैं। इसके चलते जाम की स्थिति निर्मित होने के साथ ही हमेशा एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, वर्तमान में राजधानी की सड़कों पर 15 हजार के करीब ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं।

खास खबर

गौरतलब है कि ड्राइविंग लायसेंस के आधार पर ई-रिक्शा चलाने की अनुमति परिवहन विभाग ने दी है। इसके चलते बहुतायत में पेट्रोल, डीजल से चलने वाले ऑटो सड़कों से तेजी से गायब हो रहे हैं। छोटे कमर्शियल वाहन ऑटो चलाने वाले ज्यादातर लोग ई-रिक्शा ले रहे हैं। शासन स्तर पर मिली छूट के आधार पर शहर में पिछले तीन वर्षों में ई-रिक्शा की संख्या में दो से ढाई गुना की वृद्धि दर्ज की गई है। ज्यादातर ई-रिक्शा शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में संचालित हो रहे हैं। साइज छोटी होने की वजह से ई-रिक्शा के चालक मनमाने तरीके से किसी भी जगह से वाहन निकालने की कोशिश करते हैं। इसके चलते भी ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होती है।

राजधानी की सड़कों पर करीब 15 हजार ई-रिक्शा दौड़ रहे

ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं

ट्रैफिक पुलिस के अफसर, कर्मियों के मुताबिक सबसे ज्यादा ट्रैफिक उल्लंघन करने की शिकायतें ई-रिक्शा चालकों की मिल रही हैं। ई-रिक्शा के चालक सिग्नल की अनदेखी करते हुए अपने वाहन तेजी के साथ रेड, यलो सिग्नल में भी निकाल लेते हैं। ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह के मुताबिक, ट्रैफिक उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। पिछले महीने दो हजार के करीब ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ ट्रैफिक उल्लंघन की कार्रवाई की गई है।

...तो लगेगा टैक्स

सड़कों पर ई-रिक्शा की संख्या बढ़ने का एक प्रमुख कारण मामूली रोड टैक्स लगना है। कमर्शियल सूची में ई-रिक्शा तथा मालवाहक ई-वाहन के शामिल होने पर वाहन चालकों को परिवहन विभाग से परमिट लेना पड़ेगा। साथ ही फिटनेस जांच कराने की बाध्यता होगी। परमिट तथा फिटनेस जांच की बाध्यता होने पर कमर्शियल ई-व्हीकल की बढ़ती संख्या पर लगाम लग सकती है। इसके लिए भले ही अन्य कमर्शियल वाहनों की तुलना में रजिस्ट्रेशन शुल्क शासन स्तर पर कम किया जा सकता है।

कमर्शियल व्हीकल की सूची में शामिल करने पत्र

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने परिवहन विभाग को पत्र लिखकर ई-रिक्शा तथा माल ढोने वाले ई-व्हीकल को कमर्शियल व्हीकल की सूची में शामिल करने पत्र लिखा है। ट्रैफिक पुलिस के पत्र के आधार पर परिवहन विभाग ने भी राज्य सरकार को ऐसे वाहनों को कमर्शियल सूची में शामिल करने अनुशंसा की है।

प्रकोष्ठ अधिनियम का पालन नहीं होने से दो साल से नहीं मिले 23.75 करोड़

आरडीए और हाउसिंग बोर्ड की आधा दर्जन कॉलोनियों में असुविधा, फंसा टैक्स का पैसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोगों की सुविधा के लिए शहर के अलग-अलग इलाके में आरडीए और हाउसिंग बोर्ड ने पॉश कॉलोनियों का निर्माण कराने के बाद वर्षों पहले कब्जा भी दे दिया। इसके बावजूद प्रकोष्ठ अधिनियम का पालन कराने में फेल है। कॉलोनियों में रहने वाले ही नहीं, बल्कि आरडीए और हाउसिंग बोर्ड को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कई बार पहल के बाद बनाई गई समितियों में विरोध की स्थिति में लोगों को मिलने वाली सुविधा ही नहीं, 23.75 करोड़ रुपए टैक्स का भुगतान भी अटका है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के आउटर में सरकार से मिली जमीन पर आरडीए व हाउसिंग बोर्ड ने अभी तक 45 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे करते हुए लोगों को आवासों का कब्जा दिया है। इनमें रहने वाले 5 हजार से ज्यादा लोगों द्वारा सुविधा शुल्क का भुगतान नहीं किया जा रहा है। आरडीए व हाउसिंग बोर्ड द्वारा ऐसे लोगों को हर महीने नोटिस भी दिया जा रहा है। इसके बाद भी कॉलोनी के लोग सुविधा की मांग तो कर रहे हैं, लेकिन सुविधा के लिए तय टैक्स का भुगतान नियमित नहीं कर रहे। इससे लाखों रुपए के मकान और फ्लैट खरीदने वाले लोगों को बिजली, पानी, सफाई, लिफ्ट व सुरक्षा की सुविधा भी नहीं मिल रही है। इसका खुलासा बाधित की जा रही सुविधाओं की वस्तुस्थिति जांचने पर हुआ है। पाया गया कि टैक्स समय पर नहीं देने वाले लोगों को नोटिस देने पर न तो जवाब दिया जा रहा और न बकाया राशि ही लोग जमा कर रहे हैं।

13 करोड़ से ज्यादा टैक्स

मामले की पड़ताल करने पर पता चला कि विगत दो साल से आरडीए की बोरियाखुर्द कॉलोनी में 8 करोड़, हीरापुर में तीन करोड़ 50 लाख के अलावा सरोना स्थित कॉलोनी के लोगों ने भी 1.75 करोड़ का टैक्स व किस्तें नहीं दी हैं। तीनों पॉश कॉलोनियों में ही आरडीए का 13 करोड़ 25 लाख रुपए का भुगतान अटका है। इसके चलते बिजली, पानी की सुविधा देने में आर्थिक दिक्कत आ रही है। इससे दूसरे फेज में होने वाले गार्डन, बाउंड्री के काम करीब 10 साल से फंसे हैं।

नोटिस का जवाब भी नहीं दे रहे

इसी तरह की स्थिति हाउसिंग बोर्ड के सामने भी है। कबीर नगर कॉलोनी में 5 करोड़, डूमरतराई में 3.50 करोड़ रुपए लोगों ने अभी तक जमा नहीं किए हैं। खम्हारडीह में 2 करोड़ रुपए किस्त व टैक्स लोगों ने करीब दो साल से जमा नहीं किए हैं। इसके लिए बोर्ड द्वारा दिए जाने वाले नोटिस का जवाब भी कॉलोनीवासी नहीं दे रहे हैं। नल कनेक्शन से पानी रोकने-बिजली कनेक्शन काटने पर विरोध की स्थिति बनती है। इससे बचने के लिए सख्ती नहीं होने से सुविधा का पेंच भी फंसा है।

इन सुविधाओं का अभी अभाव

बोरियाखुर्द में प्रॉपर सफाई नहीं होने से कॉलोनीवासियों द्वारा आसपास के खाली प्लाट में कचरा फेंका जा रहा है। इससे गंदगी का आलम है। यहां गार्डन का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। वहीं कबीर नगर में भी सफाई और मनोरंजन के लिए गार्डन नहीं बन पाया है। सरोना व बोरियाखुर्द में हर तरह की अव्यवस्था है। सुरक्षा तो दूर, यहां बिजली और गार्डन निर्माण अभी तक जिम्मेदार एजेंसी नहीं करा पाई है। इसके लिए लोग लिखित आवेदन तो दे रहे, लेकिन टैक्स जमा नहीं करते।

समय-समय पर भेजते हैं नोटिस

लोग कॉलोनियों की समस्या गिनाने के लिए आए दिन आवेदन देते हैं, लेकिन बकाया टैक्स व किस्त देने से बचते हैं। लोगों के पास 13 करोड़ से ज्यादा भुगतान फंसा है। नोटिस भेजने पर किसी प्रकार का जवाब भी नहीं मिल रहा है।

- अनिल गुप्ता, अधीक्षण अभियंता, आरडीए, रायपुर

प्रकोष्ठ अधिनियम का पालन नहीं

कॉलोनियों में पजेशन देने के बाद वहां की जिम्मेदारी लोगों द्वारा बनाई गई समिति को निभाने का नियम है। समितियों में विरोध के चलते टैक्स भी नहीं मिल रहा है। अभी प्रकोष्ठ अधिनियम का पालन कराने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

- संदीप साहू, अधीक्षण अभियंता, हाउसिंग बोर्ड, रायपुर

अयोध्या से पवित्र मिट्टी लेकर पहुंचे कलाकार, हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चित्रोत्पला लोककला परिषद रायपुर द्वारा ग्राम चंदखुरी में 3 से 7 सितंबर तक माता कौशिल्या संग तीजा तिहार का आयोजन किया जा रहा है। माता कौशिल्या की मूर्ति के लिए रविवार को अयोध्या धाम से पवित्र मिट्टी लेकर लोक कलाकार डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर और हेमलाल पटेल रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे, जिसका पूरे धूमधाम से बाजे-गाजे के स्वागत किया गया और स्टेशन में विधायक धरसींवा अनुज शर्मा ने पवित्र मिट्टी की पूजा-अर्चना के साथ आरती की।

इसी दौरान विधायक ने चित्रोत्पला लोककला परिषद के इस आयोजन की सराहना की। स्वागत करने वालों में राकेश तिवारी, सुरेश ठाकुर, सुदामा शर्मा, नरेंद्र यादव, घनश्याम वर्मा, संत फरिकार, सविता तिवारी, रत्ना ठाकुर, मनीष लदेर, मोहन साहू, सुमीत ठाकुर सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बसंत बने केंद्रीय गांड़ा महासभा के उपाध्यक्ष

रायपुर। केंद्रीय गांड़ा महासभा के पदाधिकारियों द्वारा सामाजिक भवन में रविवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से बसंत बाघ को उपाध्यक्ष बनाया। उनकी नियुक्ति पर केंद्रीय गांड़ा महासभा के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

गोदड़ीवाला धाम में वर्सी महोत्सव को लेकर सामान्य सभा, सौंपी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में तीन दिवसीय 6 से 8 अक्टूबर तक संत बाबा हरदास राम साहेब का 33वां वर्सी महोत्सव मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में होगा। इसकी तैयारियों के संबंध में गोदड़ीवाला धाम में रविवार को सामान्य सभा का आयोजन किया गया।

- 6 से 8 अक्टूबर तक संत बाबा हरदास राम साहेब का वर्सी महोत्सव मनाया जाएगा

सभा में उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि कार्यक्रम में भारतवर्ष के संत-महात्माओं को निमंत्रण के साथ उनके निवास की व्यवस्था, पंडाल व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, भंडारा साहेब की व्यवस्था, लाइट व साउंड व्यवस्था, भजन मंडलियों को निमंत्रण दिया जाएगा। साथ ही निशुल्क मेडिकल कैंप की सेवा और लगभग 25 प्रकार की सेवाओं पर चर्चा की और आपसी सहमति से सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई।

यह जानकारी दरबार के सेवादारी अमर गिदवानी, पवन प्रीतवानी और हरि ईसरानी ने देते हुए बताया कि बैठक में इंदरलाल सचदेव, सतीश थौरानी, ईश्वर कोडवानी, लाल खूबचंदानी, घनश्याम माखीजा, सुशील केसवानी, दिनेश डावानी, इंदर थौरानी, अनिल तुन्यानी, रवि प्रीतवानी, नरेश परयानी, दिलीप ईसरानी, नितेश छुगानी, शिवा खूबचंदानी, विशाल खूबचंदानी, सुनील काशवाानी, नरसा लालवानी, भरत डिंगवानी, ठाकुर डिंगवानी, हरीश कोडवानी व अनेक बाबा भक्त और सेवादार शामिल हुए।

बहन का स्नेह .....

कंर्म व वेटिंग यात्रियों की संख्या बराबर दिखी। हरिभूमि ने लंबी दूरी की ट्रेनों का जायजा लिया। हर कोच में 50 से अधिक यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है। जनरल बोगी में गमछे और चादर का झूला बनाकर यात्री सफर कर रहे हैं। दो बर्थ के बीच फर्श की खाली जगह को भी नहीं छोड़ा जा रहा है। जिसे जहां जगह मिल रही है, वे वहीं चादर बिछाकर पसर जा रहे हैं, जबकि आरक्षित डिब्बों की तरह जनरल बोगी में जितनी सीटें हैं, उतने ही टिकट देने हैं, लेकिन रेलवे अपने नियमों का ही पालन नहीं कर पा रहा है। रायपुर से गुजरने वाली 10 से अधिक ट्रेनों के जनरल कोच में जबरदस्त भीड़ बढ़ी है। मुंबई-हावड़ा रूट की अधिकतर ट्रेनों के साथ सिकंदराबाद-दरभंगा, दुर्ग-भोपाल अमरकंटक, दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्क क्रांति, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस समेत पुरी-अहमदाबाद के स्लीपर जनरल डिब्बे में पैर रखने की जगह नहीं है।

स्लीपर और एसी ....

भी अपनी सीट तक पहुंचने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। भीड़ अधिक होने से चेन पुलिंग भी हुई। जनरल और स्लीपर में यात्रियों ने कपड़े से झूले बनाकर सफर किया तो वहीं एसी कोच में पूरे पैसे देने के बाद भी खड़े होकर सफर करना पड़ा। ट्रेनों में यह स्थिति तीन दिनों तक बनी रहेगी।

दरवाजे पर लटकते ....

में लगभग 2 हजार यात्री एक साथ सफर कर रहे हैं। भीड़ इस कदर बढ़ गई है कि यात्रियों को दरवाजे पर लटकते हुए सफर करना पड़ रहा है। ट्रेनों में नोरूम होने से जनरल कोच में तय सीमा से अधिक यात्री भरे होते हैं। यह लापरवाही रेलवे को भारी भी पड़

पेज 11 के शेष ...

सकती है। इस बार रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन भी नहीं चल रही है। इस वजह से भीड़ अधिक है।

कैसे पढ़ेगी बेटी? ....

में भी शिक्षक के आपत्तिजनक आचरण का मामला सामने आया है। रायपुर के प्रतिष्ठित स्कूलों में से एक मायाराम सुरजन विद्यालय में व्याख्याता पर छात्रा ने अश्लील मैसेज भेजने का आरोप लगाया है। चैटिंग के आधार पर व्याख्याता एस.मोहन राव को जेल भेज दिया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी व्याख्याता ने पहली बार इस तरह की हरकत नहीं की है। इसके पूर्व भी वह कई छात्रों से अश्लील बातें करता रहा है। कक्षा में द्विअर्थी संवाद भी आरोपी व्याख्याता द्वारा किया जाता रहा है। छात्राओं को प्रायोगिक परीक्षाओं में अच्छे अंकों का झांसा देकर उन पर साथ घूमने के लिए दबाव भी आरोपी व्याख्याता निरंतर रूप से बनाता था। जिस छात्रा ने शिकायत की है, उसे आरोपी द्वारा पिछले 6 माह से मैसेज भेजे जा रहे थे। कई दिनों से छात्रा के गुमसुम रहने पर पालकों ने जब उससे बात कि तो उसने पूरा घटनाक्रम अपने अभिभावकों को बताया। इसके बाद सरस्वती नगर थाने में एफआईआर करवाई गई। गौरतलब है कि यह विद्यालय शासन की उत्कृष्ट विद्यालय योजना में शामिल है।

बच्चे के चेहरे ....

दोपहर वह अपने छोटे भाई के साथ साइकिल पर बैठकर खेलने के लिए निकला था। इसी दौरान शिवम एजुकेशनल के पास चेहरे पर नकाब बांधे बदमाश, जो अपने हाथ में सिल्वर कलर का ग्लब्स पहने हुए थे, उन लोगों ने कल्प की साइकिल को ओवरटेक कर रोका। ओवरटेक करने से कल्प हड़बड़ा गया और उसने अपनी साइकिल रोक दी। इसी दौरान एक बदमाश बाइक से उतरा और बच्चे के चेहरे पर पावडर से अटैक कर दिया। **ट्यूशन जाने के लिए जगाया, तब पता चला :** डांट खाने के डर से कल्प ने घटना की जानकारी अपनी मां को नहीं दी। कल्प की मां को घटना की जानकारी तब मिली, जब वह उसे ट्यूशन जाने के लिए जगाने गईं। बच्चे का चेहरा देख मां की चीख निकल गई और उसने अपने पति को कल्प के चेहरे के बारे में जानकारी दी। पूछताछ के बाद कल्प ने घटना की जानकारी अपनी मां को दी। इसके बाद कल्प के पिता ने शाम 5 बजे के करीब पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस कल्प को उपचार कराने एम्स लेकर गई।

तीन साल बाद ...

राज्य के अलग-अलग जेलों में बंद बंदियों को राखी बांधने 17 बंदियों की बहनों ने पंजीयन कराया है। केंद्रीय जेल प्रशासन के मुताबिक, बंदियों को उनकी बहनें सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक राखी बांधने के साथ मुलाकात कर सकती है। बंदियों को पंक्तिबद्ध तरीके से बैठाकर राखी बंधवाने की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। इस दौरान बंदियों को राखी बांधने आने वाली उनकी बहनें अपने साथ सौ ग्राम मिठाई अंदर ले जा सकती हैं। जेल के अंदर मिठाई तथा राखी ले जाने के अलावा और किसी भी तरह के खाने-पीने के सामान ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

राखी बांधने आज ....

बंदियों को राखी बांधने उनकी बहनों ने पंजीयन नहीं कराया है। राखी बांधने जिन लोगों ने पंजीयन कराया है, वे आसपास ही रहने वाली महिलाएं हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

दिनांक 16/08/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार पिता श्री शोभाराम निवासी कन्हेरा की ग्राम निमोरा पहन. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर- 19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 92/2, 95/3 रकबा क्रमशः 0.0550 हे. 0.1271 हे. का सीमांकन न्यायाल तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना.तह./2024 आदेश दिनांक 20/06/2024 के परिपालन में दिनांक 22/08/2024 को समय 11.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नबंर 25 सोण्डरा के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैद्य अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक

रायपुर-19 (धनेली)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

दिनांक 16/08/2024

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पवन कुमार पिता श्री शोभाराम निवासी कन्हेरा की ग्राम निमोरा पहन. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर- 19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 95/1 रकबा 0.0270 हे.का सीमांकन न्यायाल तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ना.तह./2024 आदेश दिनांक 20/06/2024 के परिपालन में दिनांक 22/08/2024 को समय 11.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नबंर 25 सोण्डरा के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैद्य अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक

रायपुर-19 (धनेली)

विश्व फोटोग्राॅफी दिवस पर फोटोग्राॅफर हुए सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश फोटोग्राॅफर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्व. मधुकर खेर भवन प्रेस क्लब मे रविवार को विश्व फोटोग्राॅफी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के लगभग 100 फोटोग्राफर शामिल हुए। इसी दौरान फोटोग्राॅफी व्यवसाय में आजीवन योगदान के लिए वरिष्ठ फोटोग्राफर सम्मान आर. पाटिल, संतराम जंगल, चंद्रकिशोर सिंह, राजकुमार हरचंदानी को दिया गया। साथ ही युवा फोटोग्राॅफर प्रतिभा सम्मान दिग्विजय वर्मा, सुनील सनोडिया और युवराज शर्मा को दिया गया। इस दौरान फोटोग्राॅफी प्रतियोगिता का तात्कालिक विषय बारिश का खत रखा गया था, जिसमें प्रथम स्थान अरविंद सोनवानी, भुट्टे का ठेला

दूसरा स्थान अतुल कुमार धीवर, पानी में कागज की नाव तीसरा स्थान गुरदीप कक्कड़ ने साइकिल के टायर से बारिश के पानी के फोटो पर पुरस्कार हासिल किया। फोटोग्राॅफी स्पर्धा के निर्णायक मंडल में विनय शर्मा, निकष परमार, प्रफुल्ल ठाकुर रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, फोटोग्राफर एसोसिएशन अध्यक्ष मुमताज मलिक दुर्ग और संस्था के सचिव भीष्म देव यादव, मनोज ठाकुर, धर्मेंद्र चावड़ा, हरिशरण अग्रवाल उपास्थित रहे।

खबर संक्षेप

ऊंचाई से गिरकर घायल मजदूर की मौत

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र में एक फैक्ट्री में काम कर रहे ठेका मजदूर की काम के दौरान ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल होने के बाद निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, एसकेएस इस्पात में एक माह पूर्व सीट लगाने के दौरान सुनील कुमार रात्रे ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

उधार की रकम मांगने पर मारपीट

रायपुर। गुढ़ियारी थाने की रामनगर चौकी में एक व्यक्ति ने एक ही परिवार के तीन लोगों के खिलाफ उधार की रकम मांगने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, कौशल प्रसाद चंद्राकर ने आकाश विश्वकर्मा, हनीष विश्वकर्मा, वासीम विश्वकर्मा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। कौशल ने पुलिस को बताया कि उधार की रकम मांगने पर हनीष तथा अन्य ने उसके साथ मारपीट करने के साथ घर के दरवाजे में तोड़फोड़ की।

रीना को पीएचडी

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने विवि की सांख्यिकी अध्ययन शाला की छात्रा रीना सोनकर को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय ए स्टडी ऑन आलमोस्ट अनबिएस्ड इस्टीमेंटर्स ऑफ पापुलेशन पैरामीटर्स इन सैंपल सर्वेस था। उन्होंने अपना शोधकार्य प्रोफेसर व्यास दुबे के निर्देशन में पूर्ण किया। वे मठपुरैना निवासी उदय कुमार सोनकर की पुत्री हैं।

रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों का बदला रूट, दिल्ली जाने कटनी से मिलेगी ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पश्चिम मध्य रेलवे में जबलपुर रेलमंडल के कटनी मुड़वारा-बीना रेलवे स्टेशन के बीच दमोह रेलवे स्टेशन को तीसरी रेललाइन से जोड़ने का काम 26 अगस्त से 9 सितंबर तक अलग-अलग तारीखों में किया जाएगा। वहीं उमरिया रेलवे स्टेशन को तीसरी रेललाइन से जोड़ने का काम 24 अगस्त से 5 सितंबर तक चलेगा। इस कारण रेलवे ने छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली छह एक्सप्रेस ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। इन सभी ट्रेनों का ठहराव कटनी रेलवे स्टेशन में दिया जा रहा है।

उमरिया स्टेशन को तीसरी रेललाइन से जोड़ने 24 अगस्त से चलेगा काम

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली छह ट्रेनों का रूट बदलने का लिया फैसला

इन ट्रेनों का भी बदला रूट

- 12 सितंबर को ट्रेन नंबर 22407 अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग न्यू कटनी-कटनी-सतना-ओहन केबिन-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन होकर चलेगी।
- 12 सितंबर को उधमपुर से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 12550 ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन-ओहन केबिन-सतना- कटनी-न्यू कटनी होकर चलेगी।
- 4 व 11 सितंबर को ट्रेन नंबर 20808 अमृतसर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन-ओहन केबिन-सतना-कटनी-न्यू कटनी होकर चलेगी।
- 27 अगस्त को ट्रेन नंबर 22829 भुज-शालीमार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग संत हिरदाराम नगर-भोपाल-इटारसी-जबलपुर-कटनी-न्यू कटनी होकर चलेगी।

संपर्क क्रांति के यात्रियों को दिक्कत

रेलमंडल के अधिकारियों ने बताया कि 31 अगस्त और 9 सितंबर को ट्रेन नंबर 12823 दुर्ग-निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग न्यू कटनी-कटनी-सतना-ओहन केबिन-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन होकर चलेगी। वहीं 8 और 10 सितंबर को ट्रेन नंबर 12824 निजामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन-ओहन केबिन- कटनी-न्यू कटनी होकर चलेगी। सभी ट्रेनों का ठहराव दो मिनट तक कटनी साउथ स्टेशन में दिया गया है।

झुग्गी बस्तीवासियों को पक्के आवास देने में नगर निगम फिसड्डी

शहर में 200 से ज्यादा झुग्गी बस्तियां, छह साल में सिर्फ 7 का विस्थापन, इधर, दस हजार आवास खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की तंग व मलीन बस्तियों के दमघोंटू माहौल में जिंदगी बिता रहे 200 से ज्यादा झुग्गी बस्तियों के रहवासियों को बेहतर परिवेश में स्वच्छ स्थान पर पक्के आवास देने में रायपुर नगर निगम फिसड्डी साबित हुआ है। केंद्र व राज्य शासन की कई योजनाएं स्लम बस्तियों के रहवासियों के विस्थापन के लिए चलाई जा रही हैं, इसके बाद भी स्लम फ्री सिटी का सपना अभी कोसों दूर है। हालात ये हैं, शहरी गरीब बुनियादी कार्यक्रम यानी बीएसयूपी के तहत चिन्हांकित झुग्गी बस्तियों के विस्थापन के मकसद से शहर में बनाए गए 11, 581 बहुमंजिला आवास में से केवल 1106 फ्लैट्स में पात्र परिवारों की शिफ्टिंग ही हो पाई। 10 हजार से ज्यादा बीएसयूपी आवास सालों से खाली पड़े खंडहर हो रहे हैं। इनमें मलीन बस्तियों के लोगों को बसाने की जगह किरायेदारों को किफायती आवास में तब्दील कर इसे बेचा जा रहा है। नगर निगम के दस जोन में चिन्हांकित झुग्गी बस्तियों के विस्थापन के लिए जोन स्तर पर सर्वे कराया गया, पर छह साल में केवल 7 स्लम बस्ती के रहवासियों का ही विस्थापन करा पाए। बाकी की रिपोर्ट निगम मुख्यालय में धूल खाती पड़ी है। विदित हो कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले इन्हें पक्के आवास में विस्थापन की जगह पुराने जगह पर नजूल का पट्टा वितरण की बात कही गई, जिसमें चुनाव से 5 दिन पहले पूर्ववर्ती सरकार द्वारा शहर में सिर्फ 5 हजार पट्टे वितरित हो पाए। बाद में आचार संहिता लगने के बाद बाकी के पट्टों का वितरण नहीं हो पाया। राज्य में नई सरकार बनने के बाद से गरीबों के पट्टा वितरण को लेकर कोई निर्णय नहीं हो पाया है।

- **सर्वे के बाद भी नहीं हो सका विस्थापन**

8 स्लम बस्तियों को आधुनिक बनाने की योजना ठप

रायपुर स्मार्ट सिटी के अफसरों ने छह साल पहले शहर के 8 स्लम बस्तियों को आधुनिक कॉलोनी के रूप में विकसित करने की योजना बनाई, पर आज तक इन बस्तियों को आधुनिक कॉलोनी बनाने की दिशा में रत्तीभर काम नहीं हुआ। सूत्रों के मुताबिक, विभागीय अफसर ने इन बस्तियों का नए सिरे से सर्वे कराकर हाउसिंग फॉर ऑल में शिफ्ट करने का दावा भी किया था, पर उनका ये दावा भी खोखला निकला। विदित हो, शहर को स्मार्ट बनाने साल 2018 में हांडीपारा, शिवपारा, नेहरूनगर, जोरापारा, रिंकियापारा, बैजनाथपारा, बढ़ईपारा और मांगड़ा पारा को आधुनिक कॉलोनी के रूप में विकसित कर वहां के रहवासियों का जीवन स्तर सुधारने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में योजना बनाई गई, पर यह योजना फाइलों में दबकर रह गई। आज भी ये बस्तियां आधुनिक कॉलोनी नहीं बन सकी हैं।

16 साल पहले शहर में 330 स्लम बस्तियां दर्ज

नगर निगम के रिकार्ड में 2008 में जहां शहरभर में 330 स्लम बस्तियां दर्ज थीं, 16 साल बाद भी 200 स्लम बस्तियां शहर के अलग-अलग इलाके में हैं। जहां खुली नाली, सार्वजनिक प्रसाधन की कमी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी से झुग्गी बस्ती के रहवासी जूझ रहे हैं। जबकि बेहतर आवास की कई योजनाएं कें व राज्य सरकार स्लम बस्तियों के रहवासियों के विस्थापन के लिए चला रही है।

खाली पड़े 10 हजार ईडब्ल्यूएस आवास बेच रहा निगम

बिल्डरों द्वारा शहर में कॉलोनी विकसित करते समय गरीबों के लिए छोड़ी गई ईडब्ल्यूएस की जमीन पर नगर निगम ने साल 2019 और साल 2023 में 11561 बहुमंजिला ईडब्ल्यूएस आवास बनवाए। इन आवासों को विस्थापन के तहत स्लम बस्ती के रहवासियों को देना था, पर उनमें से केवल 1061 आवास में पिछले 4 साल में गरीब परिवारों का विस्थापन करा पाए। बाकी के 10 हजार ईडब्ल्यूएस आवास खाली पड़े हैं। इन आवासों को नगर निगम चरणबद्ध तरीके से किरायेदारों को बेच रहा है। ये बहुमंजिला ईडब्ल्यूएस आवास शहर के अलग-अलग लोकेशन पर स्थित हैं।

हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

बहन के घर मिलने आया भाई, नाराज पड़ोसी ने कर दी हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उरला थाना क्षेत्र में मामूली विवाद पर एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति को छत से गिराकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद फरार आरोपी को पुलिस ने धर-दबोचा है। फिलहाल पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना शनिवार देर रात की है। हत्या की वजह मृतक का अपने बहन के घर बार-बार आने जाने को लेकर विवाद बताया जा रहा है।

- **बार-बार बहन के घर आने से आक्रोशित था पड़ोसी**

पुलिस के मुताबिक, बिरगांव निवासी संतोष सोनी की हत्या के आरोप में देवा विश्वकर्मा को हिरासत में लिया गया है। संतोष घटना दिनांक को अपनी बहन से मिलने के लिए आया था। इसी दौरान मौके पर देवा पहुंचा और संतोष से विवाद करते हुए उसके साथ हाथापाई करने लगा। उस वक्त संतोष घर की बालकनी में लगे लोहे की ग्रिल पर टिककर बैठा था। हाथापाई के दौरान देवा ने लोहे की ग्रिल में बैठे संतोष को लात मारी। लात मारने से ग्रिल टूट गई और संतोष ग्रिल सहित 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। गिरने की वजह से संतोष के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट पर टिका निकाय- पंचायत चुनाव की तारीख का फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आयोग का काम शुरू, घर-घर होगा सर्वे
- पिछड़ा वर्ग के लिए तय करना है आरक्षण

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कब होंगे? इसका फैसला पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट पर टिका है। दरअसल आयोग की रिपोर्ट आने के बाद निकायों और पंचायतों में आरक्षण का फैसला होगा। इसके बाद ही राज्य निर्वाचन आयोग दोनों चुनावों की तारीखें जारी करेगा। हालांकि सरकार ने आयोग का गठन कर दिया है और आयोग ने तेजी से अपना काम शुरू कर दिया है। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लिए जल्द ही सर्वे शुरू किया जाएगा।

आयोग में सचिव की नियुक्ति

राज्य सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग गठित किए जाने की अधिसूचना जारी होते ही काम शुरू कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष पूर्व आईएएस आरएस विश्वकर्मा है, सदस्यों के नाम भी घोषित किए जा चुके हैं। साथ ही अब आयोग के सचिव की नियुक्ति हो गई है। सचिव पद का दायित्व एक अधिकारी हिमाचल साहू को दिया गया है। उन्होंने अपना नया कार्यभार ग्रहण कर लिया है। खास बात ये है कि आयोग को तीन माह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देनी है।

इसलिए बना ये आयोग

राज्य सरकार ने हाल ही में छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया है। यह आयोग इसलिए बनाया गया है कि सुप्रीम कोर्ट में विकास किशन राव गवली विरुद्ध महाराष्ट्र राज्य केस में पारित निर्णय में व्यवस्था दी गई है कि कोई भी राज्य ट्रिपल टेस्ट की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही त्रिस्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण प्रदान कर सकता है।

डोर-टू-डोर सर्वे जल्द होगा शुरू

बताया गया है कि आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा के नेतृत्व में आयोग ने अपना काम तेजी से शुरू कर रखा है। आयोग का सबसे अहम काम पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए निकायों और पंचायतों में आरक्षण का निर्धारण करना है। इस काम के लिए राज्य में जल्द ही डोर-टू-डोर सर्वे किया जाएगा। आयोग के इस काम में स्थानीय प्रशासन, नगरीय निकायों की भी भूमिका होगी। मतदाता सूची का रिवीजन किया जाना है. इस काम के लिए कलेक्टरों, कमिश्नरों और नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। सर्वे की प्रक्रिया के तहत फार्म भरवाए जाएंगे। इस फार्म का फॉर्मेट तैयार कर जारी कर दिया गया है।

आयोग करेगा ये काम

यह आयोग राज्य में पिछड़ा वर्ग की वर्तमान सामाजिक, शैक्षणिक, तथा आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के साथ ही शासन के विभिन्न विभागों की संरचना एवं योजनाओं में पिछड़े वर्ग की भागीदारी की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करेगा। राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को मिल रहे लाभों का अध्ययन, राज्य में पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का आकलन तथा इस वृद्धि के उपाय सुझाएगा। इसके साथ ही इस वर्ग के युवाओं के लिए कौशल उन्नयन कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण के संचालन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करेगा। पिछड़ा वर्ग के सामाजिक शैक्षणिक, तथा आर्थिक कल्याण के लिए अनुशंसाएं करेगा। इसके साथ ही राज्य में त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन में अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण पर अनुशंसा देगा।

शिवभक्ति में उमड़ा सैलाब...

रायपुर। सावन के अंतिम सोमवार के पहले शिवालयों में भारी भीड़ देखी जा रही है। महादेवघाट स्थित हाटकेश्वर नाथ मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचे। हाटकेश्वर महादेव का श्रृंगारित रूप देख शिवभक्त बेहद प्रफुल्लित हुए और भक्तिभाव से उनकी पूजा-अर्चना की। आज सोमवार को बड़ी संख्या में जलाभिषेक के लिए मंदिर प्रबंधन ने विशेष तैयारियां की हैं।

एमआईसी की बैठक कल, प्रस्ताव लाने की तैयारी

सरकारी अस्पताल में बेटी के जन्म पर 20 हजार की एफडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के सरकारी अस्पताल में बीपीएल परिवार के लिए पहली बेटी के जन्म पर नगर निगम 20 हजार की एकमुश्त राशि जमा कराएगा। यह रकम 18 साल बाद बेटी के बालिग होने पर उसकी शा दी - वि वा ह जैसी जरूरतों पर खर्च की जा सकेगी। 20 अगस्त को होने वाली एमआईसी की बैठक यह प्रस्ताव चर्चा के लिए लाया जाएगा। इसी तरह 4 हजार सफाई कर्मचारियों को नगर निगम की ओर से सुबह के समय का नाश्ता मुफ्त मिलेगा। एमआईसी में यह दूसरा प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग की ओर से रखे जाने की तैयारी है। महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में 20 अगस्त को गांधी सदन के एमआईसी कक्ष में मेयर इन कौंसिल की बैठक प्रातः 11.30 बजे से आयोजित है। बैठक में शहरी सरकार अपने तरह का एक अनूठा प्रस्ताव चर्चा के लिए लेकर आ रही है, जिसमें बीपीएल कैटेगरी के लोगों के लिए सरकारी अस्पताल में पहली बिटिया के जन्म होने पर 20 हजार रुपए एकमुश्त जमा करने का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग की ओर से लाया जा रहा है। बिटिया के बालिग होने पर यह रकम उसकी शिक्षा, शादी जैसे जरूरतों के समय काम आएगी। महापौर एजाज ढेबर ने हरिभूमि को बताया कि इस प्रस्ताव को एमआईसी से स्वीकृत कर सामान्य सभा में पारित करने लाया जाएगा। फिर राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा। जहां से मंजूरी मिलते ही यह योजना पूरे शहरभर में लागू होगी। नगर निगम स्तर पर यह पहली योजना होगी, जिसमें बेटी के जन्म पर 20 हजार रुपए एकमुश्त राशि जमा कराई जाएगी।

- **ओपन प्लॉट पर वन टाइम सेटलमेंट का एजेंडा भी**

4 हजार सफाई कर्मियों को सुबह का नाश्ता

नगर निगम अपने 4 हजार सफाई कर्मचारियों को सुबह का नाश्ता उपलब्ध कराएगा। इसके लिए एमआईसी में प्रस्ताव लाया जा रहा है। सदस्यों से चर्चा उपरांत इस प्रस्ताव को पारित कर सामान्य सभा में रखा जाएगा। जहां से प्रस्ताव को मंजूरी के उपरांत शासन के पास स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग इसके लिए एजेंसी तय करने टेंडर करेगा। सूत्रों के मुताबिक, सफाई कर्मचारियों के सुबह के नाश्ते की इस योजना के तहत प्रतिदिन औसतन नगर निगम को 80 हजार रुपए खर्च आएगा। इस तरह वर्षभर में 2 करोड़ 28 लाख रुपए इसके तहत खर्च होंगे।

ओपन प्लॉट ऑनर के लिए वन टाइम सेंटलमेंट का प्रस्ताव

20 अगस्त को होने वाली एमआईसी बैठक में शहर में खाली पड़े भूखंडों से कर वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट का प्रस्ताव राजस्व विभाग की ओर से लाने की तैयारी है। महापौर एजाज ढेबर ने बताया कि ओपन प्लॉट के टैक्स को लेकर नई नीति तय करने की जरूरत है। वन टाइम सेटलमेंट की स्कीम आने पर नगर निगम का राजस्व बढ़ेगा। साथ ही संबंधित भूखंड धारियों को एक निश्चित रकम कर के रूप में भुगतान करने में आसानी होगी।

गुम की सूचना

फ़ार्म फेटे फ़ार्म हाउस के पीछे नदी के पास, ग्राम कुरुद, मंदिर हसौद में दिनांक 31.07.2024 को Apple Iphone 13 Pro Max (गोल्ड कलर) का मोबाइल गुम गया है । जो भी व्यक्ति वापस लाके देगा उसको 30,000/- रुपए नगद इनाम दिया जाएगा । लाने वाले का पहचान नहीं बताया जाएगा ।

संपर्क: 7777857120

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 19 अगस्त 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

गुढ़ियारी के मारुति मंगलम भवन से सावन के अंतिम रविवार को रायपुर पश्चिम क्षेत्र के 15 हजार से ज्यादा शिव भक्तों के साथ इस बार भी पश्चिम क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने भव्य कांवड़ यात्रा की अगुवाई की। कांवड़ियों के बीच शिव परिवार की झांकी के साथ अघोरी के वेश में नर्तक दल ने शिव भक्तों के बीच धूम मचाई। डीजे, धुमाल के साथ भक्तिमय माहौल में इस बार असुरों की चलित झांकी ही नहीं बल्कि कटप्पा व बाहुबली भी कांवड़ यात्रा के बीच आकर्षण का केंद्र रहे।

गुढ़ियारी से निकली विशाल कांवड़ यात्रा, 15 हजार शिव भक्त हुए शामिल

शिव परिवार की झांकी संग अघोरी के वेश में नर्तकों ने कांवड़ यात्रा में मचाई धूम, आकर्षण का केंद्र रहे बाहुबली-कटप्पा

रायपुर। मारुति मंगलम में कांवड़ियों का हुजूम सुबह 7 बजे से ही उमड़ना शुरू हो गया था। मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों आने के पश्चात व्यवस्था और अधिक दुरस्त की गई। भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के बाद करीब 10 बजे शिव के कर्णभेदी जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा शुरू हुई। जो गुढ़ियारी के पहाड़ी चौक, रामनगर, समता कॉलोनी, आमापारा, लाखेनगर, सुंदर नगर, रायपुरा चौक से होते हुए महादेव घाट स्थित हटकेश्वर नाथ महादेव को जलाभिषेक करने के लिए करीब 4 बजे पहुंची। भक्तों का कारवां करीब 6 घंटे तक चला।

उज्जैन का डमरू दल खास

इस बार शिव भक्तों के बीच उज्जैन का डमरू ग्रुप भी खास आकर्षण का केंद्र रहा। इस ग्रुप के साथ भक्तों का रामनगर चौक, पहाड़ी चौक, आमापारा, लाखेनगर, सुंदर नगर, रायपुरा चौक के पास भी विभिन्न संगठनों ने पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया। इस बीच राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए इसके लिए युवाओं ने पुलिस के साथ ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की जिम्मेदारी निभाई। एंबुलेंस को मार्ग देने विशेष व्यवस्था की गई। इस बार कांवड़ियों के लिए मंच के अलावा रास्ते में भी जलपान की व्यवस्था की गई थी।

संबलपुर से पहुंचे कलाकार

उज्जैन के अघोरी व डमरु दल के साथ बाहुबली और कटप्पा के वेश में सजे संबलपुर के कलाकारों ने भी कांवड़ियों के बीच रंग जमाया। उनके आकर्षक स्वरुप को देखकर लोग मोबाइल में फोटो बनाने के लिए भी आतुर नजर आए। अलग-अलग दल में कहीं मां काली का रूप धरे हुए कलाकार नजर आए तो कहीं पंथी, आदिवासी नृत्य के साथ ही राउत नाचा का प्रदर्शन करते आगे बढ़े। हटकेश्वर नाथ को जलाभिषेक करने के लिए भक्त कतार का हिस्सा बने।

मंत्रमुग्ध करने वाला अवसर

इस विशाल कांवड़ यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद सुनील सोनी भी पहुंचे। मंत्री टंकाराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू भी संयुक्त रूप से गुढ़ियारी में हुई मुख्य पूजा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन में मुझे बाबा भोरमदेव का दर्शन करने का शुभ अवसर मिला। वह मंत्रमुग्ध करने वाला अवसर था। हमने कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था रही है। बाबा हटकेश्वर नाथ हर किसी की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

आराधना

गर्भगृह से बाहर निकले जगन्नाथ भक्तों ने बांधी पुरी से आई राखी

रायपुर। गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पुरी की तर्ज पर जगन्नाथ प्रभु को पहली बार रविवार को पुरी से आई राखी बांधी गई। इसके साथ ही स्कूल, कॉलेज की छात्राओं सहित 2100 महिलाएं भी भगवान जगन्नाथ और बलभद्र को राखी बांधने मंदिर पहुंची। रथयात्रा की तरह जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा गर्भगृह में सुबह 10 बजे पूजा-अर्चना के बाद बाहर आए। दोपहर को पट बंद होने से पहले रक्षाबंधन से एक दिन पहले ही भगवान को राखी बांधने की परंपरा पुरी की तर्ज पर निभाई गई। मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष एवं विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि बलभद्र ने श्रवण नक्षत्र की मकर लग्न में गम्हा पूर्णिमा को जन्म लिया था, इसलिए पहले उन्हें राखी बांधी जाती है। मंदिर में विधिवत पूजा के साथ भगवान को राखी बांधी गई।

लाल और पीले रंग के रक्षासूत्र

पुरी में गम्हा पूर्णिमा के दिन मंदिर में भगवान बलगढ़ का जन्म समारोह मनाया गया। रायपुर मंदिर के लिए पुरी से चार राखियां प्राप्त हैं। इनको सबसे पहले भगवान को बांधा गया। इसके बाद भक्त बहनों ने भी राखी बांधने की परंपरा निभाई। जगन्ननाथ की राखी लाल और पीले रंग से रंगी हुई थी। वहीं भगवान बलमद की राखी नीले और बैंगनी रंग की थी। पतारा बिसोई सेवकों के सदस्य ने राखियां बनाई हैं। विशेष आयोजन और श्रावण मास के चलते यहां प्रातःकाल से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। विशेष पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरित किया गया। गौरतलब है कि यहां पुरी की तर्ज पर ही सभी परंपराएं निभाई जाती हैं।

सिटी इवेंट

दिव्यांगों ने सजाए स्टॉल कलाकारी का अद्भुत नमूना

रायपुर। शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में आयोजित दिव्य कला मेला को दिव्यांगजनों के साथ-साथ आमजनों द्वारा भी बेहद सराहा और पसंद किया जा रहा है। लोग रक्षाबंधन पर्व के लिए खरीददारी करने के लिए मेले में पहुंचे। 16 राज्यों से आए हुए दिव्यांग कारीगर एवं उद्यमियों के शिल्प कौशल व उत्पादों को सराहा व खरीदा जा रहा है। दिव्यांगजनों को इस मेले में मार्केटिंग के लिए बेहतरीन मंच मिला है। रंग बिरंगी राखी, घर की साज सज्जा, ऊनी, सूती व रेशमी कपड़े, विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ, ऑर्गेनिक खाद्य सामग्री, जूट से बने सामान, हस्तशिल्प व हथकरघा के सामान, पश्मीना शॉल, जूते, ज्वेलरी, लकड़ी के सामान, खिलौने और हर राज्य के खाने-पीने के स्टॉल लगाए गए हैं। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे दिव्यांग कारीगरों ने यहां स्टॉल लगाया है। इनमें गृह उपयोगी वस्तुओं के साथ ही कई तरह के की सामग्री मौजूद है। साज-सज्जा की वस्तुओं को महिलाओं का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इनमें कई तरह की वैरायटियां शामिल हैं। इनमें कई आभूषण हैंडमेड हैं।

दिव्यांग उद्यमियों को मंच देने पहल

दिव्य कला मेला एक ऐसी पहल है जो दिव्यांग उद्यमियों और कारीगरों को उनकी कला और उद्यम का प्रदर्शन करने का एक नया मंच प्रदान करता है। इस मेले का आयोजन नई दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों जैसे वाराणसी, भोपाल, मुंबई, गुवाहाटी, इंदौर, जयपुर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, पटना शहरों में हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, भविष्य में देश के शहरों में भी इसका आयोजन किया जाएगा।इससे न सिर्फ दिव्यांगजनों की उद्यमिता का प्रदर्शन होता है बल्कि वोकल फॉर लोकल के थीम को भी बढ़ावा मिलता है।

23 को समापन

यह मेला सवेरे 10.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक संचालित किया जा रहा है तथा प्रत्येक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन 23 अगस्त तक आयोजित है। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इस 17वें 'दिव्य कला मेला' का भव्य शुभारंभ किया था।

क्षरण रोकने सरोना शिव मंदिर में पहली बार गर्भगृह में प्रवेश निषेध हटकेश्वरनाथ में प्राचीन शिवलिंग में सहस्त्रधारा नहीं, नवीन स्थापना

प्राचीन शिवलिंग को क्षरण से बचाने मंदिर प्रबंधन ने की व्यवस्था

सरोना स्थित शिव मंदिर में पहली बार गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। यहां भक्तगण सीधे जलाभिषेक नहीं कर सकते। उनके लिए विशेष रूप से पाइप लगाया गया है। जिसमें जल डालने पर शिवलिंग के निचले हिस्से में स्पर्श करता है। इस पाइप का मुख सीधे शिवलिंग के ऊपर नहीं किया गया है ताकि शिवलिंग का क्षरण से बचाया जा सके।

रायपुर। मंदिर के पंडित अनुराग गोस्वामी ने बताया कि मंदिर और उसमें स्थापित शिवलिंग सैकड़ों वर्ष प्राचीन है। शिवलिंग को क्षरण से बचाने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसके पूर्व भक्तों को गर्भग्रह में जाकर जलाभिषेक की अनुमति थी, लेकिन इस वर्ष पहली बार यह व्यवस्था की गई है। वहीं महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ में सहस्त्रधारा अभिषेक पर रोक लगा दी गई है। सहस्त्रधारा अभिषेक में तीव्र गति से पानी शिवलिंग पर जाता है। इससे क्षरण की आशंका अधिक होती है। इसे देखते हुए ही यहां सहस्त्रधारा अभिषेक प्रतिबंधित किया गया है। सहस्त्रधारा अभिषेक पूजन के लिए मंदिर परिसर में ही इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर नवीन शिवलिंग की स्थापना की गई है, जहां सहस्त्रधारा अभिषेक किया जा रहा है।

हाथों में अंगूठी, कड़ा पहने हुए अभिषेक

महादेव घाट और सरोना शिव मंदिर प्रबंधन के सदस्यों के मुताबिक, भक्तगण अभिषेक करने के दौरान अंगूठी, कड़ा, चुड़ी सहित कई तरह के आभूषण पहने हुए रहते हैं। इन्हें पहने हुए ही वे अभिषेक के दौरान शिवलिंग की मालिश करते हैं। इससे भी क्षरण होता है। भक्तगण दूध और दही के अतिरिक्त तिल, चावल सहित अन्य खाद्य सामग्री भी शिवलिंग पर चढ़ाने लगे हैं। दिशा-निर्देश लिखित में होने के बाद भी भक्तगण इसका पालन नहीं करते हैं। सैकड़ों की संख्या में आने वाले भक्तगणों को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

बनेगा पीतल छत्र

महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ मंदिर के पंडित सुरेश गिरी गोस्वामी ने बताया कि पीतल का छत्र तैयार किया जा रहा है। इसे शिवलिंग के ऊपर लगाया जाएगा, ताकि जब सीधे शिवलिंग पर ना जाए। उन्होंने कहा कि शिवजी को वैभव प्रिय नहीं है। यही कारण है कि उनके लिए सोने या चांदी के स्थान पर पीतल का छत्र बनाया जा रहा है। आने वाली पीढ़ी को हम क्या देकर जाएंगे? प्राचीन शिवलिंग को सहेजने के लिए ही यह व्यवस्था की गई है।

बल ना लगाएं

वहीं मंदिर प्रबंधन के भक्तों से निवेदन किया है कि वे शिवलिंग पर बल ना लगाएं। जिस तरह से बच्चों की मालिश की जाती है, उसी तरह से हल्के हाथों से शिवलिंग को स्पर्श किया जाना चाहिए। इसके अलावा हाथों में ऐसी कोई भी वस्तु धारण नहीं करनी चाहिए, जिससे शिवलिंग को नुकसान पहुंचने की आशंका हो।

चांदी की परत

ना सिर्फ प्राचीन शिव मंदिरों में बल्कि नव स्थापित मंदिरों में भी शिवलिंग की रक्षा करने के लिए विभिन्न जतन किए जा रहे हैं। शंकर नगर स्थित सुरेश्वर महादेव पीठ में भी चांदी की परत चढ़ाई गई है। अन्य मंदिरों में भी इस तरह की व्यवस्था की तैयारी है।

शिव ने धरा गोपेश्वर रूप

साइंस कॉलेज आवासीय परिसर स्थित शिव मंदिर में रविवार को महाआरती और भंडारे का आयोजन किया गया। काशी विश्वनाथ मंदिर समिति सदस्यों द्वारा यह आयोजन किया गया। शिवलिंग का गोपेश्वर रूप में श्रृंगार किया गया।

अंतिम दिन... 108 जड़ी-बुटियों से रूद्राअभिषेक, प्राकृतिक रूप में श्रृंगार, वेदाचार्य करेंगे मंत्रोच्चार

साल का सबसे बड़ा रुद्राभिषेक होता है अंतिम दिन

नीलकंठेश्वर शिव मंदिर के पं. नीलकंठ महाराज ने बताया, साल का सबसे बड़ रुद्राभिषेक सावन के अंतिम दिन किया जाता है। इसमें फूल, फल के रस, सरसो तेल व 108 प्रकार की जड़ी-बुटियों से रुद्राभिषेक किया जाएगा। चारों वेद के अनुभवी आचार्यों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार किया जाएगा। शाम 5 बजे श्रृंगार पूजन, शाम 6 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ, रात्रि 9 बजे भव्य महाआरती होगी।

निकाले जाएंगे प्राचीन आभूषण

सरोना स्थित शिव मंदिर के प्रबंधक जनक सिंह ठाकुर ने बताया कि सुबह आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोले जाएंगे। दोपहर 12:30 बजे अभिषेक पश्चात सोने-चांदी व आकर्षक पोशाक से श्रृंगार किया जाएगा। दशकों पुराने आभूषण से महादेव का श्रृंगार होगा। अंतिम दिन परिसर में भंडारा भी रखा गया है।

आतिशबाजी के साथ महाआरती

महादेव घाट स्थित शिव मंदिर के पं. सुरेश गिरी ने बताया, रविवार की रात फूलों से श्रृंगार किया जाएगा। इसमें गुलाब, जूही, गेंदा, चंपा, रंजनी गंधा जैसे 10-12 प्रकार के फूलों से भव्य श्रृंगार प्राकृतिक स्वरूप में किया जाएगा। साल में केवल दो बार ही शिवलिंग का भव्य श्रृंगार होता है, पहला शिवरात्रि व दूसरा सावन के अवसर पर। रात 2 बजे भस्म आरती की जाएगी। सावन सोमवार के अंतिम दिन रात 7:30 बजे महाआरती की जाएगी। इस दौरान आतिशबाजी व बाजा-गाजा के साथ आरती में भक्त शामिल होंगे।

कांवड़ियों की लंबी कतार

शहर के प्राचीनत्तम शिव मंदिर बूढ़ेश्वर मंदिर में बूढ़ेश्वर बाबा का श्रृंगार इस बार 'रौद्र रूप' में होगा। जिस प्रकार उज्जैन महाकाल में 12 वर्षों में एक बार रौद्र रूप में महाकाल का श्रृंगार होता है उसी स्वरूप में यहां भी श्रृंगार होगा। सोमवार को श्रावण मास का अंतिम दिन व रक्षाबंधन होने के कारण कांवड़ियों की भीड़ रविवार को मंदिर परिसर में नजर आई। प्राचीन शिव मंदिरों में पहुंचने वाले भक्तों की संख्या अधिक रही।

इवेंट लाइव

विद्यार्थियों ने पहचानी वनस्पतियां अब बताएंगे इनके औषधीय प्रयोग

रायपुर। जैवविविधता से समृद्ध छत्तीसगढ़ राज्य में पाए जाने वाले जीव-जंतु, पौधे एवं वनस्पति की प्रजातियों की पहचान करना, उनके औषधीय उपयोग एवं आर्थिक महत्व को जानने के उद्देश्य से पैराटैक्सोनामी एवं जैवविविधता संरक्षण के लिए आयोजित 30 दिवसीय कोर्स का समापन गत दिवस हुआ। छग जैवविविधता बोर्ड एवं राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता के सहयोग से इसका आयोजन हुआ। राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के कैंपस में यह प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों द्वारा अब ग्रामीणों को इनके औषधीय प्रयोग बताए जाएंगे।

फंगस की प्रजातियों की विस्तृत जानकारी

कांकेर, कोंडागांव, केशकाल, भानुप्रतापपुर एवं नारायणपुर वनमंडलों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के जीवविज्ञान में बारहवीं पास तथा स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों को चयनित कर दिया गया। छात्रों के क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव-जंतु एवं पौधों की जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के कैंपस एवं अन्य स्थानों पर 93 फंगस की प्रजातियां, फ्लोरा की 153 प्रजातियां, औषधीय पौधों की 47 प्रजातियां एवं बीज की 187 प्रजातियों को चिन्हित कर सूचीबद्ध किया गया। प्रशिक्षण में छात्रों ने पौधों की पहचान करने के साथ ही उनके औषधीय उपयोग को जाना। समापन अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वी.श्रीनिवास राव, तथा बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डॉ. एसएस दास उपस्थित रहे।

इस्कॉन मंदिर प्राण प्रतिष्ठा : मुंबई के लीला ''द स्पिरिचुअल रॉक बैंड'' संग फूलों की होली

आज बिरज में होली रे...सावन में फाग गीतों पर थिरके कृष्ण भक्त, देशभर से पहुंचे 150 वेदाचार्यों ने की आरती

शहर के टाटीबंध स्थित इस्कॉन मंदिर में जारी तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन ब्रह्म मुहूर्त में मंगल आरती से महोत्सव का विधान शुरू हुआ। इसमें मंदिर के अध्यक्ष एच.एच सिद्धार्थ स्वामी के साथ सुलोचन कृष्ण दास व जनार्दन दास के अगुवाई में अलग-अलग क्षेत्र से आए 150 वेदाचार्यों द्वारा कृष्ण भक्ति के साथ श्रृंगार की परंपरा निभाते हुए आरती की गई।

रायपुर। शाम 6 बजते ही फूलों एवं रंग-बिरंगी लाइटों से सजे आकर्षक स्टेज पर मुंबई से आई मल्होत्रा सिस्टर्स ने लीला ''द स्पिरिचुअल रॉक बैंड'' की बेजोड़ परफॉरमेंस से लोगों को बिरज की होली का एहसास कराने हुए वहां मनाए जाने वाले उत्सव की शानदार झलक पेश करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। भजनों का सिलसिला रात 10 बजे तक चलता रहा। इस दौरान महोत्सव कमेटी के प्रमुख राजेश अग्रवाल, शुभम सिंघल, सुरेश गोयल और उमेश अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हुए।

60 भजनों की सजाई श्रृंखला

इस्कॉन के मीडिया प्रभारी दिलीप केडिया, राजेन्द्र पारख व आयुष मुरारका ने रॉक बैंड को सहयोग देते हुए भक्तिमय माहौल में रमे भक्तों के बीच व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी निभाई। वहीं अरे द्वार पालो कन्हैया से..., किशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो .., जैसे अलग-अलग भक्तिरस से ओतप्रोत 60 भजनों की श्रृंखला भक्तों के बीच सजाई। इसका हर किसी ने उसी भाव से लुत्फ उठाते हुए मंच के सामने खाली जगह में भी भक्ति में लीन होकर झूम उठे। हर परफॉरमेंस के बीच में मल्होत्रा सिस्टर्स ने कृष्ण व राम के भजनों के भाव का भी लोगों को एहसास करवाया।

आधुनिक व पारंपरिक का कैंबो

रॉक बैंड की मल्लिका व महक मल्होत्रा ने 60 से ज्यादा भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी कि उसे सुनने के बाद यंगस्टर्स भी भक्ति भाव से लबरेज हो स्टेज के सामने मंत्रमुग्ध हो थिरकने के लिए विवश हुए। आधुनिक व पारंपरिक वाद्ययंत्रों का कैंबो भी इस रॉक बैंड में देखने को मिला। 13 लोगों से सजे इस बैंड के हर कलाकार ने लोगों का भरपूर मनोरंजन करते हुए वाहवाही लूटी। उन्होंने अपने एलबम नंदभवन में उड़ रही धूल से जुड़े भजनों की श्रृंखला भी पेश की।

बिरज की तरह खेली फूलों...

रॉक बैंड ने मल्होत्रा सिस्टर्स के सुरो से सजी भजनों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए अंतिम कड़ी में आज बिरज में होली रे रसिया..., पर करीब आधे घंटे तक फूलों की होली खेलने का माहौल स्टेज पर क्रिएट किया। इसमें राधा-कृष्ण के गेटअप में कलाकारों ने फूलों की होली से सराबोर करते हुए लोगों को बृज धाम के उत्सव को इस्कॉन में ताजा किया। वहीं श्री केडिया ने बताया कि सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त में मंगल आरती के बाद श्री विग्रहों का नए मंदिर में स्थापना का विधान सुबह 5 बजे किया जाएगा। वहीं शाम को श्रीधाम वृन्दावन का रॉक बैंड प्रस्तुति देगा।

सिटी लाइव

सीआरपीएफ जवानों संग मनाया रक्षापर्व, सुरक्षा का लिया वादा

रायपुर। इनर व्हील क्लब द्वारा सीआरपीएफ जवानों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर क्लब की महिलाओं ने सामूहिक रुप से रक्षाबंधन के कार्यक्रम का आयोजन किया। शंकर नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्य भी मौजूद रहे। जिन्होंने उपस्थित सीआरपीएफ के जवानों को मेडिटेशन कराया। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष पूजा जैन ने सीआरपीएफ के अधिकारी विजय शंकर पांडेय, सिद्धार्थ और जोगिया ओरव को सम्मानित किया। इस अवसर पर नम्रता दूबे, संगीता गोयल, सोनिया नाथानी व अन्य उपस्थित रहे।

कॉस्मो मेगा का यूथ फेस्टिवल अगले माह

रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपोलेटिन द्वारा 1 सितंबर को कॉस्मो मेगा यूथ फेस्टिवल का आयोजन मैक कॉलेज समता कॉलोनी में किया जा रहा है। समय सुबह 8 बजे से शाम को 6 बजे तक चलने वाले इस आयोजन में प्रवेश के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 22 अगस्त तय की गई है। फेस्टिवल में पंजीयन निशुल्क है और सभी एंट्री स्कूल के माध्यम से तथा उनके द्वारा चुने गए छात्र को ही मिलेगी। इस मेगा यूथ फेस्टिवल में 6वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राएं शामिल हो सकते हैं।

हर व्यक्ति अपने भाग्य का विधाता स्वयं इसके लिए कर्म विज्ञान को जानना जरूरी

रायपुर। श्री लाल गंगा पटवा भवन टैगोर नगर में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा रविवार को आयोजित कार्यशाला 'कैसे जानें भाग्य का विज्ञान' में मुनिश्री सुधाकर ने कहा कि साधना से सफलता एवं सिद्धि संभव है। हर व्यक्ति अपने भाग्य का विधाता स्वयं है। अपने उत्थान, पतन, विनाश के लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। कर्ता भी वह है, भोक्ता भी वह है। भाग्य विज्ञान को जानने के लिए कर्म विज्ञान को जानना जरूरी है। जगत प्राणी समय, ग्रह के अधीन है। मगर ग्रह कर्म के अधीन है। ग्रह कर्म अनुसार ही व्यक्ति को शुभ-अशुभ फल देते हैं। हमें भाग्य विज्ञान पर विचार करने के लिए कर्म विपाक पर निरंतर चिंतन करना चाहिए।

धर्म पर दृढ़ रहें

मुनिश्री ने 'कैसे जानें भाग्य' पर विवेचन करते हुए कहा कर्म की दस अवस्थाओं में संक्रमण नामक अवस्था यह संदेश देती है कि कर्मों को बदला जा सकता है। मुनिश्री ने राशि ग्रह नक्षत्रों की चर्चा करते हुए कहा कि नमस्कार महामंत्र एवं तीर्थंकर व सिध्दों की स्तुति से भी भाग्योदय संभव है। मुनिश्री नरेश कुमार ने धर्म पर दृढ़ रहने की प्रेरणा दी। कार्यशाला में मंगलाचरण गणेश सुखलेचा, संजय सिंघी, विवेक बैद, अरुण सिपानी द्वारा किया गया। संचालन वीरेंद्र डागा, स्वागत वक्तव्य विकास बरलोटा व आभार ज्ञापन जय चोपड़ा द्वारा किया गया। कार्यशाला में सकल जैन समाज के अच्छी संख्या में धर्मानुरागी श्रावक-श्राविका सहभागी बने।

सिद्धि तप का सामूहिक पारणा 10 सितंबर को

नगर में पहली बार ऐतिहासिक सामूहिक शताधिक सिद्धि तप जारी है। 44 दिन के कठिन सिद्धि तप का रविवार को 22वां दिन था। 9 सितंबर को सिद्धि तप के 44 दिन पूर्ण होने पर भव्य सामूहिक पारणा होगा एवं 10 सितंबर को सिद्धि तप विजय यात्रा निकाली जाएगी। 111 तपस्वियों ने सिद्धि तप का शतक लगाया है। तपस्वियों के सम्मान और चढ़ावे का लाभ लेने रविवार को पारणोत्सव के चढ़ावों का आदेश उत्सव मनाया गया।

सुरक्षा की आवश्यकता मात्र बहनों को ही नहीं, वर्तमान में सभी मनुष्य असुरक्षित

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर पर केंद्रीय कारागार में आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कैदियों का मुंह मीठा कराया गया, साथ ही राखी भी बांधी गई। इसके अलावा कैदियों को मेडिटेशन के जरिए नशामुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन को सिर्फ बहनों की रक्षा तक ही सीमित करना, इसके महत्व को कम करना है। सुरक्षा की जरूरत सिर्फ बहनों को ही नहीं है, बल्कि वर्तमान समय सभी मनुष्यों का जीवन असुरक्षित है। दरअसल यहां पर रक्षा का अभिप्राय शारीरिक रक्षा से नहीं है। रक्षाबंधन के अर्थ को समझने के लिए सबसे पहले यह समझना होगा कि रक्षा की जरूरत किसे है और उसे किससे रक्षा चाहिए? उन्होंने कहा कि दुनिया में जितने भी दुष्कर्म होते हैं यदि उनका विश्लेषण किया जाए तो यह विदित होता है कि उन सभी बुराइयों के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार में से कोई न कोई विकार अवश्य ही छिपा हुआ होता है।

केंद्रीय कारागार में कैदियों को दिलाया नशामुक्त जीवन का संकल्प

अध्यात्म से होती है स्वयं की पहचान

श्रेष्ठ कर्म ही हमारे रक्षक होते हैं। मनुष्य के विचारों का प्रभाव उसके कर्मों पर पड़ता है। इस प्रकार विचार श्रेष्ठ होने से हमारे कर्मों में भी श्रेष्ठता आने लगती है। ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी ने कहा कि लोग देह अभिमान में आकर अपने शरीर को ही सब कुछ मान बैठे हैं। वह यह बात भूल गए हैं कि वह शरीर नहीं अपितु इस शरीर को चलाने वाली चैतन्य शक्ति आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि अध्यात्म से हमें स्वयं की सत्य पहचान मिलती है। राजयोग की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि स्वयं को जानकर परमात्मा से बुद्धियोग लगाना ही राजयोग है। इसके नियमित अभ्यास से हमारे अंदर आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में श्रेष्ठता आने लगती है।

समाज इवेंट

होम्योपैथी में भी हो रहे प्रयोग इनकी दवाएं पर्याप्त असरदार

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में रविवार की सुबह लगे निशुल्क होम्योपैथी स्वास्थ्य शिविर में हर आयुवर्ग के अनेक मरीजों ने अपनी बीमारियों की जांच करवाई एवं दवाएं प्राप्त की। शिविर के दौरान डॉ. इल्तियाशा मिश्रा ने कहा, उपचार की प्रत्येक पैथी में लगातार प्रयोग हो रहे हैं और इसमें होम्योपैथी भी पीछे नहीं है। अब इसमें भी अत्याधुनिक व सटीक दवाइयां उपलब्ध हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि होम्योपैथी डॉक्टर अपने मरीज पर सवालों की बौछार इसलिए करता है ताकि जब वह अपने मरीज को जो दवा दे, तो वह सटीक और असरदार हो।

केवल बुखार के लिए 200 से अधिक दवाएं

उन्होंने कहा कि केवल बुखार को ठीक करने के लिए होम्योपैथी में 200 से अधिक दवाएं हैं। कैंसर को लेकर भी होम्योपैथी में काफी दवाएं आ गई हैं। शरीर में जितनी जल्दी कैंसर की पहचान होगी, उतना ही सटीक उसका इलाज हो पाएगा। यदि मरीज के शरीर में कैंसर तीसरे या अंतिम चरण में डिक्टेट होगा, तो उसका इलाज जटिल व मरीज के लिए तकलीफदेह होगा। वहीं होम्योपैथी में दवाओं के माध्यम से मरीज के दर्द का निवारण तीव्रता से होता है। यही वजह है कि होम्योपैथी इलाज से कैंसर के मरीजों में जीने की प्रबल इच्छाशक्ति अंत तक बनी रहती है।

कार्नर न्यूज

मध्यरात्रि तक गुलजार रहा शहर... मेहंदी पार्लर से लेकर ज्वेलरी दुकान तक लंबी कतारें

बदला ट्रेंड... हैवी जुंबा की जगह इस बार ज्यादा बिका लाइटवेट सेट इसे दिया ज्वेलरी का लुक, ताकि बाद में भी किया जा सके इस्तेमाल

रायपुर। रक्षाबंधन के एक दिन पहले देर रात्रि तक शहर के सभी बाजारों में रौनक रही। सबसे अधिक भीड़ गोलबाजार में रही। इसके अलावा मालवीय रोड, भाठागांव, शंकर नगर, तेलीबांधा सहित अन्य बाजार में भी खरीदी करने लोग पहुंचते रहे। राखियों के स्टॉल से लेकर मिठाई की दुकानों और बहनों को तोहफा देने के लिए ज्वेलरी शॉप और कपड़ों की दुकान में भी चहल-पहल रही। शहर के मेहंदी पार्लर में भी युवतियां व महिलाएं रात तक पहुंचती रहीं। रविवार सुबह से होती रही रूक-रूककर बारिश के बाद भी खरीदी का सिलसिला चलता रहा। बूढ़ातालाब, पुरानी बस्ती, सुंदरनगर, गुढ़ियारी जैसे कई स्थानों पर राखी के स्टॉल सजाए गए। इस वर्ष सोने-चांदी की राखियों की मांग बाजार में देखने को मिली। इसके साथ ही बच्चों के लिए कार्टून व बड़ों के लिए रुद्राक्ष वाली सोने-चांदी के साथ डोरी वाली राखियों की खरीदी भी की जाती रही। जिसमें मोती, स्टोन, राजवाड़ी पैटर्न, मोर पंख सहित श्री गणेश, श्री कृष्ण व भगवान शंकर की राखियां भी बाजार में लाई गई।

बहनों के लिए भी राखी

पुरानी बस्ती स्थित दुकान संचालक रेखा चन्द्रकर ने बताया, दुकान में भाइयों के साथ-साथ बहनों के लिए भी राखी है। रक्षाबंधन पर कुछ बहनें आपस में भी राखी बांधती है, जिसके चलते यूनिक डिजाइन में राखी लाई गई है। इसमें रंग-बिरंगे मोतियों का प्रयोग किया गया है, इसकी कीमत 50 रुपए से 150 तय है। इसके अलावा इस वर्ष भी रक्षाबंधन में डोरी वाली राखियों की डिमांड सबसे अधिक रही। 100 रुपए दर्जन के भाव से ये राखियां बिकी।

राखियों में लगाई गई बैटरी

सुंदर नगर स्थित एक दुकान के संचालक राकेश जोशी ने बताया, बड़े और बच्चों के लिए राखी दुकान में है। इसमें टॉम एंड जेरी, डोरीमॉन, छोटा भीम, ऑगी, शिन-चान वाली राखी है। इसके साथ ही लाइट व घड़ी वाली राखी भी मौजूद है। इसकी कीमत 60 रुपए से शुरु होकर 120 रुपए तय है। खरीदारों की पहली पसंद लाइट वाली राखी है, यह बच्चों को आकर्षक लगती है।

जोड़ी में खरीदी

भाभियों को बांधे जाने वाले लुंबा के पैटर्न में इस बार बदलाव देखने को मिला। कुछ साल पहले तक हैवी लुंबा अधिक पसंद की जाती थी। इस बार लाइटवेट लुंबा पसंद की गई। इसकी बिक्री अधिक हुई। बहनों ने जोड़ी में राखी और लुंबा खरीदी। इनकी कीमत 60 रुपए जोड़ी से शुरू होकर 400 रुपए जोड़ी तक रही। इससे भी अधिक कीमत की लुंबा-राखी बिकी। इस बार ऐसे लुंबा की खरीदी अधिक की गई जिसे ज्वेलरी के पैटर्न में तैयार किया गया, ताकि राखी के बाद अन्य त्योहारों में भी इसका प्रयोग हो सके। गोल बाजार स्थित स्टॉल संचालक भारती सिक्का ने बताया, बीते एक माह से राखी की खरीदी जारी है। लुंबा में भी स्टोन वर्क लोगों की पहली पसंद है।

एक दिन पहले तक ऑर्डर

गोलबाजार स्थित स्टॉल संचालक सिद्धार्थ ने बताया, दुकान में लगभग 25-30 प्रकार की राखी है। कुछ राखियों में चांदी का भी वर्क किया गया है। दुकान में भाई-भाई के लिए राखियों का सेट व बच्चों के लिए लाइट व कार्टून वाली राखी है। इस वर्ष लोग चेन डिजाइन में रुद्राक्ष राखी राखियां खरीदना पसंद कर रहे। नाम वाली राखी के लिए एक दिन पहले तक ऑर्डर लिए गए।

सिटी स्पोर्ट्स

राज्य से 8 तीरंदाजों का चयन हुआ मूल्यांकन ट्रायल सोनीपत के लिए

रायपुर। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा जूनियर और सब-जूनियर तीरंदाजों के मूल्यांकन के लिए चयन प्रक्रिया 23 से 28 अगस्त तक सोनीपत, हरियाणा में आयोजित है। इस प्रतियोगिता के लिए स्टेट ट्रायल रविवार को दोपहर 12 बजे से बूढ़ा तालाब आउटडोर स्टेडियम में रखा गया। जिसमे 8 तीरंदाज का चयन सोनीपत के लिय हुआ। इन चयनित तीरंदाजों में श्रेयांस वर्मा, तरूण जांगले, संजय सोनवानी, रोशन, आर्य महोबिया, सोम कांसारे, राधिका पोयाम और क्षमा पिस्दा शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य तीरंदाज़ी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका ने जानकारी दी कि तेज बारिश के बीच चयन ट्रायल संपन्न किया गया। इस दौरान साई के कोच सतीश जी, राजनांदगांव से हीरू साहू प्रमुख रुप से उपस्थित रहें।

मल्टी डे क्रिकेट टुर्नामेंट में विदर्भ के विरुद्ध छत्तीसगढ़ का मैच ड्रा

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुदुच्चेरी द्वारा इंटर स्टेट अंडर 19 मल्टी डे क्रिकेट टुर्नामेंट-2024 का आयोजन 11 अगस्त से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का तीसरा दो दिवसीय मैच 17 - 18 अगस्त को पुदुच्चेरी में विदर्भ अंडर 19 के विरुद्ध खेला गया। दूसरे और अंतिम दिवस विदर्भ अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। विदर्भ अंडर-19 ने अपनी पहली पारी में 49 ओवरों में 10 विकेट खोकर 116 रन बनाये। विदर्भ अंडर-19 टीम की ओर से वेदांत ने 44 रन तथा इकनुर भामरा ने 39 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से कुमार इशान, धनंजय नायक तथा ओम वैष्णव ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ अंडर 19 ने अपनी पहली पारी में 51.4 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 110 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से आलोक गुप्ता ने सर्वाधिक 38 रन तथा प्रथम जाचक ने 19 रनों का योगदान दिया। विदर्भ की ओर से आदित्य ने 3 विकेट तथा पार्थ ने 2 विकेट प्राप्त किये। मैच की समाप्ति तक विदर्भ ने अपनी दूसरी पारी में 19 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 33 रन बनाये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। विदर्भ ने पहली पारी की बढत हासिल की।

एयर पिस्टल शूटिंग में रक्षित निरीक्षक वैभव ने किया क्वालीफ़ाई

रायपुर। छतीसगढ़ प्रदेश राइफ़ल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा एवं 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में रायपुर रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर वी मावलंकर प्रतियोगिता के लिए क्वालीफ़ाई कर लिया है ! वर्तमान में रक्षित निरीक्षक रायपुर नेशनल राइफ़ल एसोसिएशन द्वारा आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शामिल होने गोवा भी जा रहे है। उनकी इस उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बधाई और भविष्य में होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दी है।

नेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम में छत्तीसगढ़ से हिस्सा ले रहे तीन ऑफिशियल

रायपुर। गतका फेडरेशन ऑफ़ इंडिया एवं नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट्स पटियाला के संयुक्त प्रयास से नेशनल लेवल गतका रेफरी ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन 17 से 22 अगस्त तक नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट्स पटियाला में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। द गतका एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष सिमरन सिंह ने बताया कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में छत्तीसगढ़ के तीन ऑफिशियल का चयन किया गया है। छत्तीसगढ़ के ऑफिशल हरमीत सिंह, ध्यान सिंह और अवतार सिंह ऑफिशियल के तौर पर इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग ले रहे है।

मामला सेहत का, इसलिए बिल्कुल न करें समझौता

खाने के लिए कौन सा तेल फायदेमंद और कौन सा नुकसानदायक, परख लें फिर करें इस्तेमाल

शरीर को निरोगी रखने के लिए आहार और दिनचर्या दोनों को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। इसके लिए भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों-साग, विटामिन्स और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। पर सिर्फ इतना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि कई अध्ययनों में पाया गया है कि हम खाने के लिए किस तेल का इस्तेमाल करते हैं इसका भी सेहत पर सीधा असर होता है। क्या आप जिस तेल का सेवन करते हैं वो फायदेमंद है?

अगर आप खाना पकाने के लिए स्वस्थ तेल की तलाश में हैं, तो सबसे पहले ध्यान देना जरूरी है कि इसमें स्वस्थ वसा की मात्रा कितनी है? इसके अलावा कहीं इस तेल से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर का खतरा तो नहीं बढ़ेगा?

तेलों का सही चयन क्यों जरूरी है?

खाने के लिए स्वस्थ तेल का चयन जरूरी है, क्योंकि ये आपको कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकता है। जब खाना पकाने के तेल को गर्म किया जाता है, तो एक समय पर वे स्मोक पॉइंट पर पहुंच जाते हैं। ये वह तापमान है जिस पर तेल का ब्रेक डाउन होने लग जाता है। इस स्थिति में इसका ऑक्सीकरण शुरू हो जाता है और फ्री रेडिकल्स रिलीज होते हैं। इसके कारण सेलुलर डैमेज होने और कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। इसके अलावा, स्मोक पॉइंट पर पहुंचने पर तेल एक्रोलिन नामक पदार्थ छोड़ते हैं। एक्रोलिन आपके फेफड़ों के लिए खतरनाक हो सकता है।

कौन सा तेल सेहत के लिए फायदेमंद?

कई अध्ययनों में पाया गया है कि खाने के लिए ऑलिव ऑयल को प्रयोग में लाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ऑलिव ऑयल विटामिन-ई से भरपूर होता है, जो एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करता है और कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में सहायक है। इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट भी पाया जाता है जिसे ओलिक एसिड कहा जाता है। अध्ययनों से पता चला है कि ओलिक एसिड में एंटी-कैंसर और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि एवोकाडो ऑयल भी सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। इसमें मौजूद यौगिक मेटाबॉलिज्म संबंधी बीमारियों को रोकने और लिवर डैमेज के खतरे को कम करने में फायदेमंद है।

इन तेलों से बना लें दूरी

कुछ प्रकार के तेलों को सेहत के लिए नुकसानदायक प्रभावों वाला पाया गया है। अत्यधिक रिफाइन ऑयल को तैयार करने की प्रक्रिया उनके एंटीऑक्सीडेंट और अन्य लाभकारी प्रभावों को कम कर देती है। इस वजह से रिफाइन ऑयल्स का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा उन तेलों से भी बचना चाहिए जिनका स्मोकिंग प्वाइंट काफी कम होता है जैसे फ्लैक्स सीड ऑयल। इन्हें गर्म करने से फ्री रेडिकल्स रिलीज होने का जोखिम अधिक हो सकता है।

इस तरह की गलती से बचें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, तेलों के इस्तेमाल को लेकर इस बात का भी ध्यान रखें कि एक ही तेल का बार-बार इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस्तेमाल किए गए बचे तेल में ट्रांस फैट का अनुपात बढ़ जाता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। तेल को दोबारा गर्म करने पर शरीर में एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है जिससे स्ट्रोक या सीने में दर्द होने का जोखिम हो सकता है

सावन में बिना लहसुन-प्याज के बनाएं सब्जियां, स्वाद भी मिलेगा लाजवाब

अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्होंने सावन के महीने में प्याज-लहसुन छोड़ रखा है तो आपको कुछ रेसिपी के बारे में जानना जरूरी है।

आलू-मेथी: भले ही इस मौसम में ताजी मेथी नहीं मिलती है, लेकिन आपकी रसोई में आपको कसूरी मेथी अवश्य मिल जाएगी। ऐसे में बिना सोचे आप आलू-मेथी की सब्जी बनाकर खा सकते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। अगर इसे आप गर्म पराठों के साथ परोसेंगे तो इनका स्वाद बढ़ जाएगा।

पालक-पनीर: वैसे तो पालक बहुत कम लोग खाना पसंद करते हैं लेकिन अगर आप पालक पनीर बनाएंगी तो इसे बच्चे से लेकर बड़े तक काफी चाव से खाएंगे। ऐसे में सावन के महीने में बिना प्याज और लहसुन का पालक पनीर तैयार करें।

कद्दू की सब्जी: पूड़ियों के साथ अगर कद्दू की सब्जी मिल जाए तो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। इसे बनाने के लिए आपको प्याज या लहसुन की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आप भी सावन में पूड़ी या पराठे के साथ कद्दू की सब्जी बनाकर परोस सकती हैं।

भिंडी: शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे भिंडी की सब्जी खाने में पसंद नहीं होगी। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। लोगों को लगता है कि भिंडी बिना प्याज के नहीं बनती। जबकि ऐसा नहीं है। बिना प्याज के भी आप स्वादिष्ट मसाला भिंडी बनाकर खाने में परोस सकती हैं।

आलू फ्राई: बारिश के मौसम में अगर चटाकेदार आलू फ्राई मिल जाएं तो खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में अपने खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए मसाले वाले आलूओं को फ्राई करना न भूलें।

श्रावण पूर्णिमा पर आज करें सुख-समृद्धि के लिए उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल सावन माह की पूर्णिमा 19 अगस्त, सोमवार को पड़ रही है। इस दिन सावन का सोमवार होने से इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 19 अगस्त को सुबह 03 बजकर 43 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, यह तिथि रात्रि 11 बजकर 55 मिनट तक मान्य रहेगी। सावन पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय का समय शाम 06: बजकर 56 पर है। इस समय आप चंद्रदेव की पूजा कर सकते हैं। श्रावण माह की पूर्णिमा का अत्यधिक धार्मिक महत्व है। इस दिन कुछ उपाय करने से भगवान शिव की कृपा मिलती हैं एवं जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

रुद्राभिषेक: इस बार श्रावण पूर्णिमा के दिन सोमवार भी है। इस दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। रुद्राभिषेक में शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी, शक्कर आदि से अभिषेक किया जाता है। इसके साथ ही 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप किया जाता है। रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, और उनके आशीर्वाद से जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

उपवास रखने का विशेष महत्व: श्रावण पूर्णिमा के दिन व्रत रखने की भी अत्यधिक मान्यता है। इस दिन भगवान शिव एवं लक्ष्मी-नारायण की उपासना के लिए उपवास रखने से विशेष फल प्राप्त होता है। व्रत के दौरान फलाहार किया जाता है। व्रत रखने से व्यक्ति के सभी दुख-दर्द समाप्त होते हैं, और जीवन में सुख और शांति का आगमन होता है।

दक्षिणावर्ती शंख का पूजन: श्रावण पूर्णिमा पर दक्षिणावर्ती शंख का पूजन करना शुभ माना जाता है। शंख भगवान विष्णु का प्रतीक है, इसकी पूजा करने से देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है।

राखी पर गिफ्ट देने के साथ आप करें अपनी बहन से ये वादे

19 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते को समर्पित दिन है। इस मौके पर बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं जो रक्षा सूत्र होता है। यह भाई की रक्षा करने और उनकी लंबी आयु की कामना का प्रतीक होता है। वहीं भाई भी जीवन भर अपनी बहन की रक्षा का वचन देते हैं।

इस मौके पर भाई अपनी बहन को तोहफे भी देते हैं। तोहफे पाकर बहन कितना भी खुश क्यों न हो जाए लेकिन भाई की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती। उन्हें ऐसा तोहफा दीजिए जो बहन की उन्नति, सुरक्षा और आत्मविश्वास को जीवन भर बनाए रखें।

तोहफे तो सभी देंगे, लेकिन आप इस रक्षाबंधन बहन को कोई ऐसा उपहार दीजिए जिससे न केवल उनकी सोच, बल्कि उनके जीवन के तरीके में ही बदलाव आ जाए। यहां कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताया जा रहा है, जो बहन को उपहार के तौर पर रक्षाबंधन के मौके पर दे सकते हैं।

अकेले निकलने दें

आज भी भारतीय परिवारों में बहन छोटी हो या बड़ी, अपने घर के पुरुषों पर निर्भर होती है। उसे स्कूल-कॉलेज से लेकर घर के बाहर कहीं जाने के लिए पिता और भाई की जरूरत महसूस होती है। बहन भी बाहर निकलने से पहले इस उम्मीद में रहती हैं कि भाई उन्हें ड्रॉप कर दे। अधिकतर लड़कियां इस बात की आदि हो जाती हैं और घर से अकेले निकलते वक्त उसमें आत्मविश्वास की कमी होने लगती है।

बहन को आत्मनिर्भर बनाएं। उन्हें अकेले घर से निकलने दें और अपने काम स्वयं करने दें ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े और अकेले निकलने में उन्हें डर न लगे।

बहन को बनाएं मजबूत

लड़कियों को मानसिक तौर पर तो बाहर वालों के साथ ही घर वाले भी कमजोर बनाते हैं, जिसमें उनसे ये कहा जाता है कि 'अकेले घर से नहीं निकलना चाहिए, रात में देर तक बाहर नहीं रहना चाहिए, लड़कियां कमजोर होती हैं, आदि। इस तरह की बातों से उनका मनोबल कम हो जाता है। भाई को उन्हें शारीरिक तौर पर मजबूत बनाना चाहिए ताकि दुनिया की ऐसी बातें उन्हें डरा न सकें। इसलिए बहन की फिटनेस पर ध्यान दें। उन्हें आत्मरक्षा के गुण सिखाएं, इसके लिए बहन को मार्शल आर्ट्स, मुक्केबाजी या जूडो क्लास में भेजें।

फैसले लेने दें

घर की बेटी के लिए फैसले माता पिता या भाई ही लेता है। उसे किस कॉलेज में पढ़ना है, क्या पढ़ना है, नौकरी करनी है या नहीं, या फिर किससे शादी करनी है, समेत जीनव से जुड़े हर छोटे-बड़े फैसलों के लिए एक लड़की अपने परिवार पर निर्भर करती है। इसका परिणाम ये होता कि लड़की फैसले लेने की क्षमता ही खो देती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

नहीं रहा रुपहले परदे का सबसे सुंदर सितारा, घर पर ली आखिरी सांस

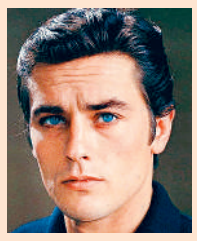

'द समुराई' और 'बोर्सलिनो' जैसी हिट फिल्मों का हिस्सा रहे फ्रांसीसी अभिनेता एलेन डेलन का निधन हो गया है। फ्रांसीसी सिनेमा के स्वर्णिम युग के इस सितारे ने 88 साल की उम्र में अंतिम सांस लेकर दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। एलेन के निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर है। साथ ही प्रशंसक भी इस दुखद खबर से काफी आहत हैं और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते नजर आ रहे हैं। एलेन डेलन के परिवार की तरफ से जारी किए गए बयान में सूचना दी गई कि उनका डौची में अपने घर पर निधन हो गया। इस दौरान उनके तीनों बच्चे और प्रियजन वहां मौजूद थे। इसके साथ ही परिजनों ने इस दुखद समय में लोगों और मीडिया से गोपनीयता का अनुरोध किया है। जानकारी हो कि साल 2019 में स्ट्रोक से पीड़ित होने के बाद से डेलन का स्वास्थ्य खराब था। उनके परिवार ने एक बयान में साझा किया, 'एलेन फैबियन, अनौचका, एंथोनी और उनके कुत्ते लूबो को अपने पिता के निधन की घोषणा करते हुए गहरा दुख हुआ है। अपने तीन बच्चों और परिवार के बीच डौची स्थित अपने घर में उनका निधन हो गया।' कभी सिनेमा के सबसे खूबसूरत पुरुषों में से एक माने जाने वाले डेलन ने 1960 के दशक की 'द लेपर्ड' और 'रोक्को एंड हिज ब्रदर्स' जैसी प्रतिष्ठित फिल्मों में अभिनय किया था। उन्होंने हेनरी वर्न्यूइल की 1963 की फिल्म 'मेलोडी एन सूस-सोल' में जीन गेबिन के साथ अभिनय किया और जीन-पियरे मेलविले की 1967 की 'ले समुराई' में अपने अभिनय से सबका दिल जीता था। हालांकि 1990 के दशक से उनकी फिल्मों में उपस्थिति कम हो गई, फिर भी वे सेलिब्रिटी समाचारों में एक नियमित विषय बने रहे। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 90 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया।

टॉलीवुड

प्रभास की नई फिल्म का पूजा समारोह, जया प्रदा और मिथुन के साथ करेंगे काम

प्रभास की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने पिछले दिनों बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म वर्ल्डवाइड 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। अब प्रभास के प्रशंसकों को उनकी आगामी फिल्मों का इंतजार है और बड़ी खबर यह है कि आज प्रभास की नई फिल्म का पूजा समारोह हो गया है। फिलहाल प्रभास की नई फिल्म का नाम क्या होगा, इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसका निर्देशन हनु राघवपुडी करेंगे। फिल्म के पूजा समारोह का आयोजन हैदराबाद में किया गया। फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया जाएगा, जिसने इस समारोह से कुछ तस्वीरों को भी साझा किया है। पूजा समारोह के दौरान निर्देशक प्रशांत नील भी मौजूद थे, जिनके साथ प्रभास ने 'सालारः पार्ट 1' में काम किया है और इसके दूसरे भाग में भी दिखाई देंगे। उन्होंने प्रभास को उनकी नई फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दी। हनु राघवपुडी के निर्देशन में बनने जा रही इस फिल्म में प्रभास के अलावा जया प्रदा और मिथुन चक्रवर्ती भी मुख्य किरदार में दिखाई देंगे। वहीं, इमानवी को भी परदे पर देखा जाएगा, जो एक मशहूर डांसर हैं। इस फिल्म के नाम को लेकर एक अफवाह उड़ रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम 'फौजी' होगा। यह अनाम फिल्म एक पीरियड ड्रामा होगी, जिसमें 1940 के दशक के दौरान ब्रिटिश राज की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में प्रभास एक फौजी के किरदार में नजर आएंगे। इसका संगीत विशाल चन्द्रशेखर तैयार करेंगे। प्रभास की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वो हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' के साथ-साथ 'सलार 2' में भी नजर आने वाले हैं। इन दोनों के अलावा वो 'कन्नप्पा' में कैमियो करते हुए भी दिखाई देंगे।

भोजपुरी

रुला देगी ऋतु और देव की 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना'

ऋतु सिंह और देव सिंह की पारिवारिक भोजपुरी फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' का इस रक्षा बंधन पर प्रीमियर हो रहा है। यह फिल्म बेहद इमोशनल है और ट्रेलर में इसकी झलक दिख जाती है। फिल्म की कहानी एस.के.चौहान ने लिखी है, जबकि इसे प्रमोद शास्त्री ने डायरेक्ट किया है। सोमवार, 19 अगस्त को देशभर में रक्षा बंधन का पावन त्योहर मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्यार और अटूट रिश्ते के इस पर्व पर भोजपुरी सिनेमा की पेशगी के तौर पर फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' का भी प्रीमियर हो रहा है। 'दंगल ऐप' पर देव सिंह और ऋतु सिंह स्टारर इस फिल्म को स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका प्रसारण शनिवार, 17 अगस्त की शाम 6 बजे और फिर रविवार, 18 अगस्त को सुबह 10 बजे भी हुआ। फिल्म 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना' के लीड एक्टर देव सिंह कहते हैं, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए एक बेहद भावुक अनुभव था। भाई-बहन का रिश्ता हमारे समाज में बहुत महत्वपूर्ण और खास होता है। इस फिल्म ने इस रिश्ते की गहराई और मजबूती को खूबसूरती से प्रस्तुत किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसे देखकर उतनी ही भावुकता महसूस करेंगे, जितनी हमने इसे बनाते समय की थी।

लाइफ स्टाइल

कल्पनाओं की उड़ान की कोई सीमा नहीं है। मशहूर डिजाइनर कार्ल लेगरफेल्ड ने पिछले दिनों पेरिस के ग्रैंड पैलेस को एक रेतीले और शांत समुद्र तट में बदल दिया। जिसमें ऑन-ड्यूटी लाइफगार्ड भी थे है। यहां एक अनूठा फैशन शो हुआ। यहां मॉडल नंगे पाँव अपने जूते हाथ में लेकर रेत से भरे रनवे पर चले। सुंदर समुद्र तट का नज़ारा लोगों ने अपने कैमरे में कैद किए और मॉडल के नए फैशन भी सराहे गए।

काले होंठों से होती है शर्मिंदगी तो अपनाएं ये नुस्खे

सुर्ख गुलाबी हॉट किस पसंद नहीं होते। हर कोई चाहता है कि उनके होंठ गुलाबी बने रहें लेकिन कई बार ऐसा होता है कि होठों का रंग अपने आप काला पड़ने लगता है। वैसे तो होंठ गुलाबी करने के लिए कई तरह की ट्रीटमेंट अब बाजार में आने लगे हैं लेकिन आप चाहे तो कुछ घरेलू नुस्खे अपना कर भी होंठों का गुलाबीपन वापस पा सकते हैं।

यहां आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से कुछ ही दिनों में होंठों का कालापन दूर होने लगेगा। इन नुस्खों के इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट अवश्य करें, ताकि अगर इनसे आपको एलर्जी हो तो उसका पता लगा सके।

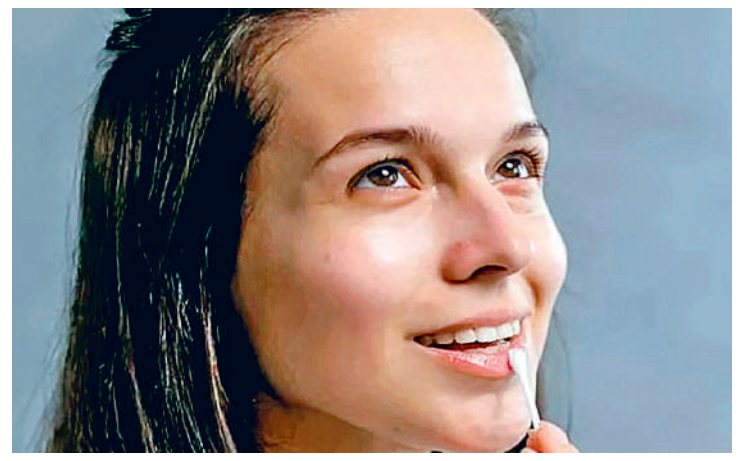

नींबू और शहद

आपके घर में आपको नींबू का रस और शहद तो आसानी से मिल ही जाएगा। इन दोनों चीजों को मिलाकर होंठों पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर धो लें। नींबू प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट होता है और शहद मॉइस्चराइज करता है। इसके इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट अवश्य करें।

नारियल तेल

ये नुस्खा सबसे आसान है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस रात को सोने से पहले होंठों पर नारियल तेल लगाना है। यह होंठों को नमी देता है और उनकी रंगत को सुधारता है। इससे होंठों का कालापन भी दूर होता है।

एलोवेरा जेल

अगर आपके घर पर फ्रेश एलोवेरा जेल है तो इसके इस्तेमाल से होंठों पर लगाने से उनके कालेपन में कमी आ सकती है। एलोवेरा में प्राकृतिक रूप से एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन होते हैं जो होंठों की रंगत को बेहतर बनाते हैं।

राखी पर परफेक्ट दिखने टिप्स लें भाई-बहन की इन जोड़ियों से

रक्षाबंधन एक ऐसा त्यौहार है, जिसके लिए हर भाई-बहन काफी उत्साहित रहते हैं। ये त्योहार भाई-बहन के प्यार के अटूट रिश्ते का प्रतीक होता है। भले ही साल भर भाई-बहन कितना भी लड़े और झगड़ा लेकिन राखी के दिन उनका प्यार देखते बनता है। इस साल राखी का पवित्र त्यौहार 19 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दिन के लिए बहनों के साथ-साथ भाई भी नए-नए कपड़े खरीद कर लाते हैं, ताकि राखी बांधते समय वह स्टाइलिश और खूबसूरत दिख सकें। अगर इस दिन को आप भी खास बनाना चाहते हैं तो अपनी बहन के साथ ट्यूनिंग करें।

अर्जुन कपूर-अंशुला कपूर

अगर आप अपनी बहन के साथ ट्यूनिंग करना चाहते हैं खुद भी उस रंग का आउटफिट पहनें, जिस रंग की साड़ी आपकी बहन पहन रही है। जरूरी नहीं है कि ये रंग पूरी तरह से मैच हो। जैसे कि अंशुला ने मल्टीकलर साड़ी पहनी है, वहीं अर्जुन ने उनसे मैच करते हुए ब्लैक कुर्ता और सफेद पायजामा पहना है।

सारा अली खान और इब्राहिम खान

सारा अक्सर अपने भाई के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। दोनों की तस्वीरें लोगों को काफी पसंद आती हैं। ऐसे में आप इन दोनों से भी टिप्स लेकर ट्यूनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आप शेरवानी पहनें और अपनी बहन को रॉयल अंदाज में अनारकली सूट कैरी करने को कहें। ये लुक भी देखने में काफी अलग और खूबसूरत लगेगा।

अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन

आप चाहें तो अभिषेक बच्चन और श्वेता की तरह अलग-अलग रंग भी पहन सकते हैं। इसके लिए आप खुद डार्क रंग का कुर्ता-पायजामा पहनें और अपनी बहन को हल्के रंग का सूट पहनने को कहें। ये कॉम्बिनेशन भी देखने में प्यारा लगेगा।

सोहा अली खान और सैफ अली खान

अगर कुछ हैवी पहनने का मन है तो सोहा और सैफ की तरह हैवी वर्क वाला आउटफिट पहनें। ये देखने में भी अच्छा लगेगा। इस तरह का आउटफिट त्योहारों के सीजन में अच्छा ही लगता है।

हैवी मेकअप नहीं पसंद तो राखी बांधने के समय करें नो मेकअप

19 अगस्त को देश-भर में रक्षाबंधन का पावन त्यौहार मनाया जाएगा। इस त्यौहार के लिए हर बहनें काफी उत्साहित रहती हैं। बारिश के मौसम में हैवी मेकअप करना आपको परेशान कर सकता है। इसी के चलते अगर आप हल्का मेकअप करना चाहती हैं तो नो मेकअप लुक करें। यहां हम आपको नो मेकअप लुक अप्लाई करने का सही तरीका बताएंगे। ताकि आप खूबसूरत भी लगे और हैवी मेकअप से आपको उलझन भी ना हो। नो मेकअप लुक आजकल काफी ट्रेंड में है और यह काफी अच्छा भी लगता है।

चेहरा करें साफः नो मेकअप लुक पाने के लिए सबसे पहले एक अच्छे फेसवॉश से चेहरे को अच्छी तरह से धोएं ताकि त्वचा पर से सभी गंदगी और तेल हट जाए। ध्यान रखें ये आपकी स्किन टाइप का ही होना चाहिए।

मॉइस्चराइजर लगाएंः चेहरा रूखा न लगे, इसके लिए अपने चेहरे को हाइड्रेटेड रखने के लिए एक हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं। अगर त्वचा रूखी दिखेगी तो इससे भी आपका लुक बिगड़ सकता है।

सनस्क्रीन लगाएंः भले ही बारिश का

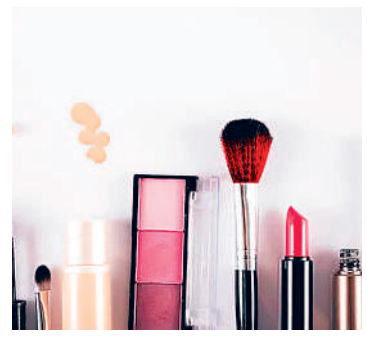

मौसम चल रहा है लेकिन फिर भी त्वचा पर सनस्क्रीन लगाएं। ये आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक UV किरणों से बचाने का काम करेगी।

बीबी क्रीमः नो मेकअप लुक में आपको फाउंडेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी। हल्की सी बीबी क्रीम को अपनी त्वचा पर लगाएं और फिर इसका लुक देखें। ध्यान रखें कि बीबी क्रीम की मात्रा काफी कम होनी चाहिए।

ब्लश और हाइलाइटर : बेस हैवी नहीं लगा रहे हैं इसलिए ब्लश और हाइलाइटर भी कम ही इस्तेमाल करें।

पहली बार पहन रहीं हैं साड़ी तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

अगर आप पहली बार साड़ी पहन रहीं हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें। इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने लुक को और खूबसूरत बना सकती हैं।

पेटीकोट की फिटिंग हो सही

अगर पहली बार साड़ी पहन रहीं हैं तो उसके लिए फिटिंग का पेटीकोट अवश्य बनाएं। बहुत सी लड़कियां अपनी मम्मी या बड़ी दीदी का पेटीकोट पहन लेती हैं। जिस वजह से उनका लुक खराब हो जाता है। ये गलती कभी न करें। पेटीकोट हमेशा अपनी ही फिटिंग का बनवाएं, ताकि आपका लुक प्यारा दिखे।

ब्लाउज की सही फिटिंग और डिजाइन भी है जरूरी

साड़ी के लुक को खूबसूरत बनाने के लिए सही ब्लाउज का चयन अवश्य करें। अगर ब्लाउज सही फिटिंग का नहीं होगा तो आप असहज हो सकती हैं। ऐसे में अपनी साड़ी से मैच करता हुआ ब्लाउज तैयार करें। इसकी डिजाइन का चयन अपने हिसाब से करें, ताकि आप देखने में खूबसूरत लगें।

लंबाई हो सही

साड़ी की लंबाई अगर सही नहीं होगी, तो ये आपका लुक खराब कर सकती है। साड़ी हमेशा फुटवियर पहनने के बाद ही बांधें। अगर ये लंबी होगी तो आपको चलने में परेशानी हो सकती है। वहीं अगर साड़ी छोटी बांधेंगी तो नीचे दिखता हुआ पेटीकोट लुक बिगाड़ सकता है। अगर पहली बार साड़ी पहन रहीं हैं तो पल्लु को सही से ड्रेप करके पिन करें। खुला पल्लु आपको परेशान कर सकता है।

कार्नर न्यूज

राखी के त्यौहार पर बहनों को इंतजार रहता है भाईयों के तोहफे का

बहन को है स्टाइलिश दिखने का शौक तो उसे तोहफे में दें इस तरह के प्रोडक्ट

राखी एक ऐसा त्योहार है, जिसका इंतजार बहनें सालभर करती हैं। इस दिन वो अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनसे मनमाफिक तोहफा लेती हैं। इस साल राखी का त्योहार 19 अगस्त यानी कि सोमवार को मनाया जा रहा है। पहले के समय में ज्यादातर भाई अपनी बहनों को तोहफे में या तो कपड़े दे देते थे, या पैसे। इसके अलावा बहुत से भाई ज्वेलरी तोहफे में दे देते थे, लेकिन अब समय बदल गया है। अब बहनें अपनी पसंद से अलग-अलग तोहफे लेती हैं। ऐसे में अगर आपकी बहन को हमेशा स्टाइलिश दिखने का शौक है तो आप उसे तोहफे में ब्यूटी प्रोडक्ट दे सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसी स्किन केयर, हेयर केयर और ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

हेयर स्टाइलिंग किट

आजकल की लड़कियां अलग-अलग तरह की हेयर स्टाइल बनाना पसंद करती हैं, ऐसे में आप अपनी बहन को हेयर स्टाइलिंग किट तोहफे में दे सकते हैं। इस किट में स्ट्रेटनर, कर्लर और हेयर ड्रायर मिलेगा। ये आपको हर बजट में मिल जाएगी। अगर पूरा किट देने का बजट नहीं है तो इनमें से एक चीज भी तोहफे में दे सकते हैं।

मेकअप बॉक्स

हर लड़की के पास ढेर सारा मेकअप होता है। आप उस मेकअप को रखने के लिए उन्हें अलग सा स्टाइलिश मेकअप बॉक्स तोहफे में दे सकते हैं। इसमें वो अपने महंगे मेकअप को आराम से रख सकती हैं। इससे वो खराब होने से बचा रहेगा।

लिपस्टिक सेट

लिपस्टिक का शौक तो हर उम्र की महिला को होता है। ऐसे में आप अपनी बहन को लिपस्टिक का सेट तोहफे में दे सकते हैं। लिपस्टिक खरीदते वक्त अपनी बहन की पसंद के शेड का ध्यान रखें। जिस तरह के शेड वो लगाना पसंद करती हैं, उसी तरह से शेड उन्हें तोहफे में दें।

मेकअप ब्रश सेट

मेकअप करते वक्त ब्रश का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में आप अपनी बहन को मेकअप ब्रश का पूरा सेट तोहफे में दे सकते हैं। ध्यान रखें इसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए, वरना ये आपकी बहन की स्किन खराब कर सकते हैं।

सीटीएम किट

खूबसूरत दिखना तो हर लड़की को पसंद होता है। ऐसे में आप उन्हें किसी अच्छे ब्रांड की सीटीएम किट तोहफे में दे सकती हैं। इसके इस्तेमाल से उनकी त्वचा खिल उठेगी। इसे खरीदते वक्त अपनी बहन की स्किन टाइप का खास ध्यान रखें।